नेशनल प्रेस टाइम्स

नई दिल्ली, मंगलवार
22 अप्रैल 2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 53 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/645795

मुरादाबाद को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड

सुगम्य पुस्तकालय को देशभर में पहला स्थान, योगी ने दी बधाई

मुरादाबाद । दिव्यांगजनों को ज्ञान और संसाधनों तक समान पहुंच देने की मुरादाबाद प्रशासन की पहल को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि मिली है। लोक सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिलाधिकारी अनुज सिंह को सुगम्य पुस्तकालय की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड (नवाचार श्रेणी) से सम्मानित किया। यह सम्मान नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

देशभर से आए 1588 नामांकनों में से केवल 16 पहलों का चयन इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश से मात्र मुरादाबाद को स्थान मिला। इससे पहले यह पुस्तकालय परियोजना मुख्यमंत्री राज्य पुरस्कार भी हासिल कर चुकी है। इस सुगम्य पुस्तकालय की स्थापना दिव्यांगजनों को ध्यान में रखकर की गई है।

विज्ञापन

जिससे वह बिना किसी कठिनाई के अध्ययन व पुस्तकों का उपयोग कर सकें। इस परियोजना में मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह के मार्गदर्शन और मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव की भूमिका भी रही। कार्यक्रम के दौरान सीडीओ सुमित यादव भी उपस्थित रहे। पुरस्कार की घोषणा से पहले केंद्र सरकार की टीम ने जिले की चार पुस्तकालयों का गहन सत्यापन किया था।

टीम ने दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं, तकनीकी सुगमता और पुस्तकालय की पहुंच को आधार बनाकर मुरादाबाद को इनोवेशन श्रेणी में चुना। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि यह पहल समाज के हर वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजनों तक शिक्षा और जानकारी की सुगमता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

शेष पेज 2 पर

पोप फ्रांसिस के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दुख से जूझ रहे लोगों के लिए, पोप फ्रांसिस आशा और लचीलेपन का प्रतीक बन गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे वैश्विक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति बताया। अपने हार्दिक संदेश को साझा करते हुए, प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के कैथोलिकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, सेवा, करुणा और आध्यात्मिक साहस के लिए पोप के आजीवन समर्पण को स्वीकार किया।

शेष पेज 2 पर

नक्सलवाद को खत्म करने की हमारी मुहिम निरंतर जारी

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड में आठ नक्सलियों को मारे गिराने की कार्रवाई को लेकर सुरक्षा बलों की सराहना की है। इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने की हमारी मुहिम निरंतर जारी रहेगी।

झारखंड में सुरक्षा बलों की तरफ से आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता बरकरार है। बता दें कि, झारखंड के बोकारो जिले में सीआरपीएफ और पुलिस के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली भी शामिल है।

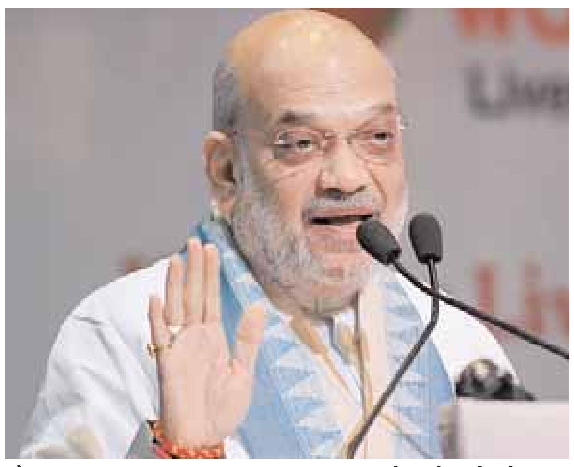

केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- 'नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में आठ माओवादियों को ढेर कर दिया गया, जिसमें एक शीर्ष स्तर का नक्सली नेता विवेक, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें।'

शेष पेज 2 पर

पोप फ्रांसिस को राहुल ने करुणा-न्याय-शांति की बताया वैश्विक आवाज, प्रियंका ने उनके निधन को विश्व के लिए एक क्षति करार दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट करते हुए कहा कि परम पावन पोप फ्रांसिस का निधन पूरे विश्व के लिए एक क्षति है। वे वास्तव में प्रेम और करुणा के प्रतीक थे। वे सत्य के लिए खड़े रहे, उन्होंने अन्याय के खिलाफ निडरता से आवाज उठाई और सच्चे विश्वास के साथ गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की देखभाल की।

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह निधन हो गया। कार्डिनल केविन फेरेल ने यह घोषणा की। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद देश-दुनिया के नेताओं ने अपना शोक प्रकट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक जताया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि करुणा, न्याय और शांति की वैश्विक आवाज परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूँ।

'शेष पेज 2 पर

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार संग अक्षरधाम मंदिर का किया भ्रमण

कला-संस्कृति से हुए रूबरू

नई दिल्ली । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पत्नी उषा और तीन बच्चों के साथ दिल्ली के स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय कला, वास्तुकला और संस्कृति की समृद्धि का अवलोकन किया। मंदिर के शांति और एकता के संदेश से प्रभावित होकर उन्होंने अतिथि पुस्तिका में भारत के आतिथ्य और मंदिर की सुंदरता की प्रशंसा की।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी पत्नी उषा और तीन बच्चों इवान, विवेक और मिराबेल के साथ भारत की चार दिवसीय यात्रा के दौरान सोमवार को नई दिल्ली के स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर का भ्रमण किया। दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद वे सीधे इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पहुंचे।

मंदिर भ्रमण के दौरान जेडी वेंस और उनके परिवार ने भारतीय कला, पारंपरिक हिंदू वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा। मंदिर के जटिल नक्काशीदार स्तंभों, भव्य गुंबदों और कलात्मक छतों ने उन्हें गहरे प्रभावित किया।

उन्होंने मंदिर में समाहित विश्व शांति और एकता के संदेश को भी सराहा। अतिथि पुस्तिका में अपने अनुभव साझा करते हुए वेंस ने लिखा, 'इस खूबसूरत जगह पर मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत के लिए यह गर्व की बात है कि आपने इतनी सटीकता और देखभाल के साथ यह सुंदर मंदिर बनाया। हमारे बच्चों को यह विशेष रूप से बहुत पसंद आया। भगवान भला करे।'

191 से अधिक देशों के लाखों आगंतुकों को प्रेरित कर चुका

स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर दिल्ली के हृदय में स्थित भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और कला का जीवंत केंद्र है। 2005 में पूज्य प्रमुख स्वामी महाराज की प्रेरणा से निर्मित यह मंदिर विश्व शांति को समर्पित है और अब तक 191 से अधिक देशों के लाखों आगंतुकों को प्रेरित कर चुका है।

मंदिर का संचालन बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था द्वारा किया जाता है

मंदिर का संचालन बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था द्वारा किया जाता है, जो भारतीय मूल्यों और आध्यात्मिकता के संरक्षण के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आपदा राहत जैसे मानवीय कार्यों में सक्रिय है।

'शेष पेज 2 पर

खरगे की सभा के बाद बक्सर के जिलाध्यक्ष निलंबित, भीड़ न जुटा पाना पड़ा महंगा कांग्रेस ने यह आरोप लगाया

पटना ।मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा में कुर्सियां खाली रहने की बात कहकर एनडीए के नेताओं ने जमकर हमला बोला था। कहा था कि चुनाव से पहले ही जनता ने अपने मन की बात बता दी है। इस मामले को बिहार प्रदेश कांग्रेस ने गंभीरता से लिया और जनसभा की तैयारियों में कमी का आरोप लगा अपने जिलाध्यक्ष को निलंबित कर दिया।

बक्सर में रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जनसभा की थी। जनसभा के बाद सत्ता पक्ष ने तंज कसा था कि कांग्रेस अध्यक्ष की सभा में कुर्सियां खाली ही दिख रही थी। जनता ने चुनाव से पहले ही उन्हें जवाब दे दिया है। कांग्रेस ने इस बात को गंभीरता से ले लिया और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस ने मनोज पांडेय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

'शेष पेज 2 पर

महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

एक मंच पर दिखे शरद-अजित पवार, फिर लगने लगीं साथ आने की अटकलें

मुंबई । शरद पवार और उनके भतीजे अजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अलग-अलग गुटों के प्रमुख हैं। दोनों महाराष्ट्र में प्रतिद्वंद्वी गठबंधन का हिस्सा हैं। 2023 में अजित ने चाचा के खिलाफ विद्रोह कर दिया था और तत्कालीन भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे।

महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के साथ आने की अटकलें एक बार फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, बीते कई दिनों में दोनां नेता कई बार एक मंच पर दिखाई दिए हैं। ताजा मामला सोमवार का है, जब

राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार कृषि और चीनी उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा के दौरान दोनों एक ही मंच पर दिखे।

डेढ़ घंटे से अधिक समय तक साथ रहे अजित पवार- पुणे के सखार संकुल (चीनी परिसर) में आयोजित बैठक डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली। इसमें वसंतदादा चीनी संस्थान के अधिकारी शामिल हुए।

शेष पेज 2 पर

निधन ■ पोप फ्रांसिस का निधन

88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस, डबल निमोनिया से जूझ रहे थे

नई दिल्ली। पोप फ्रांसिस के निधन की पुष्टि वेटिकन ने सोमवार को बयान जारी कर की। बयान में कहा गया कि वह रोमन कैथोलिक चर्च के पहले लैटिन अमेरिकी थे। उनके दोनों फेफड़ों में न्यूमोनिया था। वह लंबे समय तक अस्पताल में थे। वेटिकन के कार्डिनल केविन फेरेल ने कहा कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन ईश्वर की सेवा में समर्पित रहा।

पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार 21 अप्रैल, 2025 को 88 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उन्होंने वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित अपने निवास पर सुबह 7.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) अंतिम सांस ली। वेटिकन समाचार के मुताबिक, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

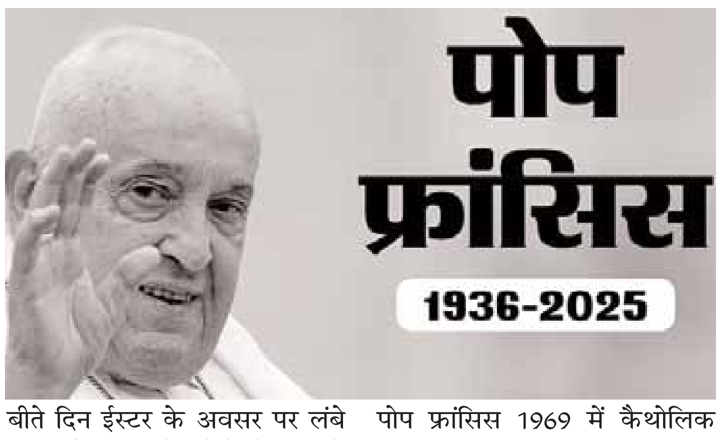

बीते दिन ईस्टर के अवसर पर लंबे समय के बाद वे लोगों के सामने आए थे।

पोप फ्रांसिस जेसुइट ऑर्डर से पहले पोप थे। 8वीं शताब्दी के बाद से यूरोप के बाहर से पहले पोप थे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो के रूप में जन्मे पोप फ्रांसिस 1969 में कैथोलिक पादरी नियुक्त किया गया था। 28 फरवरी, 2013 को पोप बेनेडिक्ट श्कके इस्तीफे के बाद 13 मार्च को एक पोप सम्मेलन ने कार्डिनल बर्गोग्लियो को उनका उत्तराधिकारी चुना। उन्होंने सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में फ्रांसिस को अपना पोप नाम चुना। अब आधिकारिक शोक की 14 दिन की अवधि होगी, जिसके बाद कार्डिनल मसीह के नए विकर का चुनाव करने के लिए सम्मेलन में जाएंगे।

लंबे समय से बीमार चल रहे थे पोप फ्रांसिस-पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे। लगभग एक महीने तक अस्पताल में इलाज कराने के बाद पोप 24 मार्च को अपने निवास स्थान कासा सांता मार्टा लौटे थे। अस्पताल से लौटने पर उन्होंने बड़ी संख्या में अस्पताल के बाहर जमा हुए लोगों को आशीर्वाद दिया था। सार्वजनिक रूप से पोप को देखने के बाद लोग काफी खुश दिखे थे और जयकारे भी लगाए थे।

शेष पेज 2 पर

दिल्ली में नहीं घुस पाएंगी अब ये गाड़ियां, लगाए गए ANPR कैमरे, जद में आते ही मिलेगी चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । सीमाओं पर लगे परिवर्तनीय साइन बोर्ड भी ऐसे वाहनों की संख्या दिखाएंगे और उन्हें वापस लौटने के लिए कहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में लगभग 370 पेट्रोल पंपों और 100 से अधिक सीएनजी स्टेशनों पर एएनपीआर कैमरे पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

दिल्ली सरकार जल्द ही दिल्ली की सीमाओं और टोल गेट पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे स्थापित करने की योजना बना रही है। इससे उम्र पूरी कर चुके वाहन यदि दिल्ली में प्रवेश करेंगे तो उन्हें पकड़ा जाएगा। ऐसे में पुराने वाहनों को दिल्ली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह दिल्ली सरकार द्वारा शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए जा रहे कई नए उपायों का हिस्सा है।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार सभी ऊंची इमारतों और व्यावसायिक भवनों के लिए छतों पर स्मॉग गन स्थापित करना अनिवार्य करने जा रही है, जबकि 500 वर्ग मीटर या उससे अधिक के भूखंडों पर होने वाले सभी नए निमार्णों में पीएम2.5 निगरानी उपकरण लगाने होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि

दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों की अनुमति नहीं है। इस स्थित में इन वाहनों को दिल्ली में प्रवेश को रोकने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। हाल के दिनों में जिस तरह पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाए ताकि पुराने वाहनों को ईंधन न मिले, उसी तरह सभी प्रवेश द्वारों पर ऐसे कैमरे लगाए जाएंगे। यदि ऐसा वाहन शहर की सीमा में प्रवेश करता है, तो वाहन के मालिक को तुरंत फोन पर संदेश भेजा जाएगा।

सीमाओं पर लगे परिवर्तनीय साइन बोर्ड भी ऐसे वाहनों की संख्या दिखाएंगे और उन्हें वापस लौटने के लिए कहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में लगभग 370 पेट्रोल पंपों और 100 से अधिक सीएनजी स्टेशनों पर एएनपीआर कैमरे पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। सरकार अन्य राज्यों में पंजीकृत सभी पुराने वाहनों का डेटा एकत्र करने की संभावना तलाश रही है और उनके मालिकों को संदेश भेजकर सूचित किया जाएगा कि उन्हें दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू होने से पहले बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल वाहनों को भी इसी तरह के संदेश भेजे जाएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में लगभग 3,500-4,000 ऊंची इमारतों सरकारी, निजी, कॉरपोरेट हाउसिंग सोसाइटी और मॉल को ऐसी अधिसूचना के छह महीने के भीतर छतों पर स्मॉग गन स्थापित करने होंगे। सरकार रिंग रोड पर आजादपुर से गुरुग्राम सीमा तक राजौरी गार्डन, धौला कुआं और महिपालपुर के रास्ते मिस्ट स्प्रेयर स्थापित करेगी। वहीं 500 वर्ग मीटर से अधिक के भूखंडों पर होने वाले सभी नए निमार्णों को अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ पंजीकरण करना होगा और धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इसके 14 निदेर्शों का पालन करना होगा।

दिल्लीवासियों को मिलेगी नई DTC बसों की सौगात

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार 320 नई उ्ळ्ळउ बसों को रोड पर उतारने वाली है। ये सभी बसें इलेक्ट्रिक रहने वाली हैं। दिल्ली के लोग लंबे समय से बसों की कमी से जूझ रहे थे। नई बसों के आने से दिल्ली के लोगों को राहत मिलने वाली है।

दिल्लीवासियों को मंगलवार को 320 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह कुशक नाला डिपो पर बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। कई माह बाद इतनी संख्या में बसों को दिल्ली की सड़कों पर उतारा जाएगा। इन बसों में नौ मीटर लंबी 240 मिनी इलेक्ट्रिक बसों के अलावा 12 मीटर लंबी स्टैंडर्ड साइज वाली 80 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं।

इन बसों को 70 से अधिक रूटों पर चलाया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा पूर्वी व मध्य दिल्ली के रूट शामिल हैं। इसी के साथ नौ मीटर लंबी मोहल्ला बसों के नए नाम दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी) के साथ आधिकारिक शुरूआत होगी। दिल्ली के लोग इन दिनों बसों की कमी से जूझ रहे हैं। यात्रियों को बस स्टॉप पर काफी देर तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। 320 नई बसों की शुरूआत से दिल्ली के लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

सीएम रेखा ने लॉन्च किया हीट एक्शन प्लान 2025 तीन-चार हजार वाटर कूलर और प्याऊ की सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हीट एक्शन प्लान 2025 लॉन्च किया, जिसमें गर्मी से बचाव के लिए प्याऊ, कूलिंग शेल्टर, और हीट वेव वार्ड जैसे कदम शामिल हैं। सरकार, एनजीओ, और जनभागीदारी से कम आय वर्ग और कामगारों की सुरक्षा पर जोर दिया जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री सीएम रेखा गुप्ता ने हीट एक्शन प्लान 2025 लॉन्च किया। इस बार का एक्शन प्लान तकनीकी सहयोगियों, शैक्षणिक संस्थानों, एनजीओ, शासन, प्रशासन और जनभागीदारी का समावेश है। हीट वेब से दिल्ली के हर व्यक्ति को सुरक्षित रखना लक्ष्य है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों और कामगारों को सुरक्षित रखने पर फोकस है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता के अलावा कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पंकज सिंह, एनडीएमए अध्यक्ष, दिल्ली सरकार के सचिव, सभी 11 जिलों के डीएम मौजूद रहे।

सीएम रेखा गुप्ता ने सिविल सर्विस डे की बधाई दी। उन्होंने कहा, 'शासन-प्रशासन के सहयोग से विकसित दिल्ली, विकसित भारत के लिए काम कर सकते हैं। दिल्ली ऐसी है कि कोई मौसम आता है तो परेशानी भी आती है। बारिश में जलभराव, ठंड में प्रदूषण, दिल्ली का तापमान 52.9 तक गया है। इसलिए दिल्ली की तैयारियां उसी स्तर की होनी चाहिए। हीट वेब से बचाव के एक बहुत बड़ा प्लान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने दिया है। हमने कैबिनेट से इसपर चर्चा की है। हमारा जो पुराना कल्चर रहा है, उसपर काम करने की जरूरत है। छबील लगाना, प्याऊ लगाना, शरबत बांटना चालू करना होगा। इसीलिए सरकार सभी सरकारी बिल्डिंग में 3000 वाटर कूलर लगाने जा रही है।'

हीट वेब वार्ड बनाए जाएंगे- सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'इसमें सरकार, सीएसआर, एनजीओ मिलकर काम करेंगे। जगह-जगह पर कूलिंग शेल्टर, फुटपाथ पर शेड्स, बस स्टॉप पर शेड्स, आईएसबीटी पर, सरकारी बिल्डिंग में कूल रूफ करेंगे। लोगों को भी अपने घरों में ग्रीन रूफिंग करनी चाहिए, जहां भी जगह मिले पौधे लगाने की कोशिश करनी है। दिल्ली सरकार मौसम विभाग हीट वेब एलर्ट जारी करेंगे, बड़े अस्पतालों में हीट वेब वार्ड बनाए जाएंगे। झुग्गी बस्ती में ठंडी छांव बनाई जाएगी, कम आय के लोगों को बचाने के लिए सर्वाधिक काम किया जाएगा। इसलिए केंद्र से दिल्ली सरकार को मिले 1800 आपदा मित्र लगाए जाएंगे। बस अड्डे, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पर वाटर कूलर, मिनरल वाटर डिस्पेंसर लगाए जाएंगे। हमारे लिए हर जान कीमती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर काम करेंगे।

तीन-चार हजार प्याऊ लगाएंगे- 'दिल्ली हीट एक्शन प्लान की किताब बहुत मोटी बनी है, लेकिन मैं चाहता हूं कि शब्दों से ज्यादा जमीन पर काम नजर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली को पानी पर्याप्त मिलता है, लेकिन पानी में लीकेज है, पानी की चोरियां हो रही हैं, इसीलिए जीपीएस टैंकर सेवा शुरू किया है, सभी टैंकर में सेंसर जल्द लग जाएंगे। दिल्ली में प्याऊ घट गए हैं, इंसान के साथ पशु, पक्षियों को भी पानी मिलना चाहिए। हमें इसका भी ध्यान रखना है। पीडब्ल्यूडी रोड पर वाटर एटीएम लगाएंगे, बस स्टैंडों, दिल्ली सरकार की सभी भवन, सभी स्कूल पर पानी का प्याऊ लगा रहे हैं। तीन-चार हजार ऐसे प्याऊ लगाएंगे, करीब पांच लाख लोग पानी पी पाएंगे।

पेज एक का शेष...

मुरादाबाद को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड

प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षणः योगी –लोक सेवा दिवस के मौके पर मुरादाबाद को दिव्यांगजनों के लिए स्थापित सुगम्य पुस्तकालय की पहल के लिए प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजे जाने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुशी जताई है। उन्होंने इसे 25 करोड़ प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिविल सेवा दिवस के अवसर पर मुरादाबाद जनपद को दिव्यांगजन सुगम्य पुस्तकालय पहल के लिए नवाचार श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया जाना पूरे प्रदेश के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समाज के प्रत्येक वर्ग तक ज्ञान की सहज और समान पहुंच सुनिश्चित करने की उत्तर प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की एक झलक है।

यह पहल न सिर्फ दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरणादायक है, बल्कि उन्हें नई आशा और आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर करती है। मुख्यमंत्री ने इस सराहनीय कार्य के लिए मुरादाबाद प्रशासन, पुस्तकालय टीम और जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सफलता अन्य जनपदों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत बनेगी।

नक्सलवाद को खत्म करने की हमारी मुहिम निरंतर जारी रहेगी

कई राइफल और बंदूक मौके से की गई जब्त– सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया, जिसमें आठ नक्सली मारे गए और एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देशी बंदूकें और एक पिस्तौल जब्त की गई।

इन नक्सलियों का हुआ खात्मा– वहीं मारे गए लोगों में उग्रवादी संगठन के केंद्रीय समिति सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, विशेष क्षेत्र समिति सदस्य अरविंद यादव उर्फ अविनाश, जोनल समिति सदस्य साहेबराम मांझी उर्फ राहुल मांझी, महेश मांझी उर्फ मोटा, तालु, रंजू मांझी, गंगाराम और महेश शामिल हैं।

पोप फ्रांसिस के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया

श्रद्धांजलि के एक बयान में, पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे पोप फ्रांसिस ने कम उम्र से ही प्रभु मसीह की शिक्षाओं और आदर्शों के लिए खुद को समर्पित कर दिया था।

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दुख से जूझ रहे लोगों के लिए, पोप फ्रांसिस आशा और लचीलेपन का प्रतीक बन गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ हूं। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजो कर रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।" उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की आयु में ईस्टर सोमवार को वेटिकन के कासा सांता मार्टा निवास पर निधन हो गया था।

मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुख हुआ। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की।

उन्होंने कहा कि जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई। मुझे उनके साथ अपनी मुलाकातें याद आती हैं और मैं समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजो कर रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

खरगे की सभा के बाद बक्सर के जिलाध्यक्ष निलंबित, भीड़ न जुटा पाना पड़ा महंगा कांग्रेस ने यह आरोप लगाया

बिहार प्रदेश के कार्यालय सचिव उमेश प्रसाद सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा की तैयारियां बेहद कमजोर थीं। जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने दायित्वों का सही से निर्वहन नहीं किया। कार्यक्रम में समन्वय का अभाव था। इससे राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे की गरिमा को ठेस पहुंची। कार्यक्रम के दौरान जनसमर्थन की काफी कमी दिखी।

कार्यकताओं के बीच समन्वय नहीं बना पाए मनोज पांडेय– वहीं स्थानीय नेताओं की मानें तो मनोज कुमार पांडेय कार्यकताओं के बीच समन्वय नहीं बना पाए। उन्होंने पार्टी आलाकमान को करीब 30 हजार से अधिक भीड़ जुटाने का दावा किया था। इसके लिए कार्यक्रम में 25 हजार कुर्सियां भी लगाई गई थीं। लेकिन, जब मल्लिकार्जुन खरगे पहुंचे तब 85 प्रतिशत कुर्सियां खाली ही रह गई थी। इस पर सत्ता पक्ष के नेताओं ने तंज कसा था।

खरगे ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार बोला था हमला– कांग्रेस अध्यक्ष ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार की जोड़ी केवल कुर्सी के लिए है। यह जोड़ी बिहार के विकास के लिए नहीं है। सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि वह एक बार इंडिया गठबंधन की गोद में आते हैं। इसके बाद यहां कुछ दिन गुजारने के बाद लगा कि भाजपा आनेवाली है तो वह इधर से उधर चले जाते हैं। यह देश के लिए सही नहीं। वह गरीब, किसान, अछूत, पिछड़ा और अति पिछड़ा को बर्बाद करने लिए उधर जाते हैं।

पोप फ्रांसिस को राहुल ने करुणा-न्याय-शांति की बताया वैश्विक आवाज, प्रियंका ने उनके निधन को विश्व के लिए एक क्षति करार दिया

वे दलितों और हाशिए पर पड़े लोगों के साथ खड़े रहे, असमानता के खिलाफ निडरता से बोले और प्रेम और मानवता के अपने संदेश से विभिन्न धर्मों के लाखों लोगों को प्रेरित किया। मेरी संवेदनाएँ भारत और दुनिया भर के कैथोलिक समुदाय के साथ हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट करते हुए कहा कि परम पावन पोप फ्रांसिस का निधन पूरे विश्व के लिए एक क्षति है। वे वास्तव में प्रेम और करुणा के प्रतीक थे। वे सत्य के लिए खड़े रहे, उन्होंने अन्याय के खिलाफ निडरता से आवाज उठाई और सच्चे विश्वास के साथ गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की देखभाल की। वे दुनिया भर के उन लाखों लोगों के लिए प्रेरणा थे जो एक अधिक शांतिपूर्ण और दयालु दुनिया की आशा और प्रयास करते हैं। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि दुनिया भर में लाखों लोग उन्हें हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। पहले लैटिन अमेरिकी पादरी पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उन्होंने अपनी विनम्र शैली और गरीबों के प्रति चिंता से दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया था। मोदी ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्लपरम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस; डबल निमोनिया से जूझ रहे थे

करीब एक महीने से ज्यादा समय तक अस्पताल में रहे थे भर्ती–पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें डबल निमोनिया हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका चला था। एक महीने से ज्यादा समय अस्पताल में बिताने के बाद उन्हें छुट्टी दी गई थी। पोप की देखभाल करने वाले सर्जरी प्रमुख सर्जियो अल्फिएरी ने बताया था कि उन्हें दवाइयां की जरूरत पड़ती रहेगी।

युवावस्था में निकाला गया था फेफड़े. का हिस्सा–पोप फ्रांसिस जब जवान थे, तब उनके एक फेफड़े में संक्रमण के कारण उसे हटाना पड़ा था। इस कारण उन्हें सांस से जुड़ी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा था। 2023 में भी उन्हें फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

भारत की यात्रा की थी अटकलें– पोप फ्रांसिस भारत आने वाले थे। पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बताया था कि पोप फ्रांसिस के 2025 के बाद भारत दौरे पर आने की संभावना है। 2025 को कैथोलिक चर्च ने जुबली वर्ष के रूप में घोषित किया है। भारत पहले ही पोप फ्रांसिस को आधिकारिक तौर पर आमंत्रित कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उन्हें सीधे तौर पर निमंत्रण दे चुके हैं। यात्रा पोप की सेहत और सुविधा के अनुसार निर्धारित की जाने वाली थी।

पोप फ्रांसिस का आखिरी संदेश– पोप फ्रांसिस ने अपने आखिर संदेश में जरूरतमंदों की मदद करने, भूखों को खाना देने और विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों को प्रोत्साहित करने की अपील की थी। ईस्टर पर जारी अपने संदेश में उन्होंने लिखा, 'मैं हमारी दुनिया में राजनीतिक जिम्मेदारी के पदों पर बैठे सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे डर के आगे न झुकें। डर दूसरों से अलगाव की ओर ले जाता है। सभी जरूरतमंदों की मदद करने, भूख से लड़ने और विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों को प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करें। ये शांति के हथियार हैं, हथियार जो मौत के बीज बोने के बजाय भविष्य का निर्माण करते हैं! मानवता का सिद्धांत हमारे दैनिक कार्यों की पहचान बनने से कभी न चूके।'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार संग अक्षरधाम मंदिर का किया भ्रमण

आतिथ्य को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी–वेंस की यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने का प्रतीक बनी। मंदिर के अधिकारियों ने उनके दौरे को दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान और साझा मूल्यों का उदाहरण बताया। बीएपीएस संस्था, जो अमेरिका के रॉबिंसविल और यूएई के अबू धाबी में भी सांस्कृतिक स्थलों का संचालन करती है, ने उपराष्ट्रपति और उनके परिवार के आतिथ्य को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह दौरा न केवल मंदिर की वैश्विक पहचान को रेखांकित करता है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और आतिथ्य को भी विश्व मंच पर प्रदर्शित करता है।

एक मंच पर दिखे शरद-अजित पवार, फिर लगने लगीं साथ आने की अटकलें

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कि अजित पवार ने कहा कि बैठक में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

चीनी उत्पादन में सुधार के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा–उन्होंने कहा, 'हमने चर्चा की कि कैसे एआई कृषि उत्पादन बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी फर्म इस क्षेत्र में पहल का समर्थन कर रही हैं। कृषि विभाग ने अपने कुछ चल रहे प्रयासों को भी साझा किया और चीनी उत्पादन में सुधार के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई।'

शरद पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात पर क्या बोले अजित?–हाल के हफ्तों में शरद पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने इन बैठकों के राजनीतिक महत्व को दरकिनार कर दिया। हाल के हफ्तों में पहली बार दोनों उनके बेटे जय की सगाई मिले थे। उन्होंने कहा कि परिवार सगाई जैसे अवसरों पर एक साथ आते हैं और उन्हें किसी अन्य दृष्टिकोण से व्याख्या करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

एनसीपी के अलग–अलग गुटों के प्रमुख–शरद पवार और उनके भतीजे अजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अलग–अलग गुटों के प्रमुख हैं। दोनों महाराष्ट्र में प्रतिद्वंद्वी गठबंधन का हिस्सा हैं। 2023 में अजित ने चाचा के खिलाफ विद्रोह कर दिया था और तत्कालीन भाजपा–शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे।

सतारा में रयात शिक्षण संस्था के कार्यक्रम में भी साथ दिखे थे–अजित पवार ने सतारा में रयात शिक्षण संस्था में उनकी हाल की संयुक्त उपस्थिति पर भी टिप्पणी की। यहां उनके चाचा अध्यक्ष हैं और वे एक ट्रस्टी हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं रयात शिक्षण संस्था की बैठकों में जाता हूं तो मैं एक ट्रस्टी के रूप में जाता हूं, न कि उपमुख्यमंत्री के रूप में। उस बैठक में छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए शिक्षा में एआई के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया था। आज की बैठक कृषि में एआई के बारे में थी। सरकार में काम करते समय हमें हमेशा किसानों की आय बढ़ाने और उनकी इनपुट लागत कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।'

'कुछ विषय राजनीति से परे'– उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विषय राजनीति से परे होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी प्रमुख मुद्दों पर सर्वदलीय बैठकें बुलाते हैं। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं और सरकार बन गई है तो लोगों के लिए काम करते हुए एक साथ आना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना महत्वपूर्ण है।

स्थानीय पत्रकारों के सम्मान और उत्थान की ओर ऐतिहासिक कदमः पत्रकार सम्मेलन 2025' का भव्य आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत।राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के भोपुरा क्षेत्र में स्थित न्यू इंडिया कैंपस परिसर में आज एक ऐतिहासिक आयोजन ₹पत्रकार सम्मेलन 2025 का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डिजिटल मीडिया फेडरेशन और भारत न्यूज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय पत्रकारों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान हेतु एक प्रभावी रोडमैप तैयार करना रहा।

यह कार्यक्रम इस मायने में विशेष और ऐतिहासिक बन गया क्योंकि देश में पहली बार स्थानीय पत्रकारों को केंद्र में रखते हुए उनके लिए ऐसा कोई भव्य मंच तैयार किया गया जहाँ न केवल उनके योगदान को सम्मानित किया गया, बल्कि उनकी चुनौतियों और जमीनी स्तर की समस्याओं को भी खुले मंच पर उठाया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख चेहरे और उद्देश्यः

कार्यक्रम की अध्यक्षता जानी-मानी सामाजिक हस्ती और राष्ट्रीय विकास गति पत्रिका के मुख्य संपादक एम. के. राजपूत ने की। आयोजन के सूत्रधार और भारत न्यूज के संपादक मनीष कुमार सूर्यवंशी ने पत्रकार सम्मेलन का संचालन करते हुए पत्रकारों के हौसले को नई ऊंचाई देने की बात कही।

मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर विराजमान थे डॉ. रामजी लाल जांगिड, जो कि भारतीय

जनसंचार संस्थान (क्न्ट्ठउ, भारत सरकार) में कोर्स डायरेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सम्मान और सराहना का अनूठा संगमः कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय पत्रकारों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि उनके ग्राउंड लेवल पर किए गए कठिन परिश्रम की सच्ची सराहना भी थी। इस दौरान पत्रकारों से निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता बनाए रखने की भी अपील की गई।

समाजसेवी और प्रशासनिक अधिकारियों की सहभागिताः सम्मेलन में न केवल पत्रकारों की उपस्थिति रही, बल्कि कई समाजसेवियों और सरकारी अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर पत्रकारों की सराहना की और उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

महेंद्र कुमार राजपूत ने अपने न्यू इंडिया विजन को पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत किया और देश के विकास में रिसर्च एंड डेवलपमेंट की भूमिका पर विशेष बल दिया।

पत्रकारों की चुनौतियों को मंच से मिली आवाजःकार्यक्रम में एक अहम बात यह भी सामने आई कि ग्राउंड पर कार्यरत स्थानीय पत्रकारों को अक्सर सरकारी स्तर पर किसी प्रकार की सुविधा या समर्थन नहीं मिल पाता, जबकि वे दिन-रात समाज के जमीनी मुद्दों को उजागर करते हैं।

मनीष कुमार सूर्यवंशी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय पत्रकार जिस निष्ठा और ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, वह प्रशंसा योग्य है।

उन्होंने यह भी आग्रह किया कि पत्रकारों की बातों को सरकार तक पहुँचाया जाना चाहिए ताकि उन्हें भी वह सम्मान और संसाधन मिल सके, जिसके वे हकदार हैं।

सम्मेलन बना पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्त्रोतःइस आयोजन से पत्रकारों के बीच नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। एक ऐसा मंच जिसने उन्हें न केवल पहचान दी, बल्कि यह विश्वास भी दिलाया कि उनकी आवाज अब अनसुनी नहीं रहेगी।

यह सम्मेलन निश्चित रूप से स्थानीय पत्रकारिता के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बागपत की 16वीं अर्धवार्षिक बैठक का हुआ

बागपत, हिंदी को सरकारी कार्यों की भाषा बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बागपत की 16वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन सोमवार को चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान के सभागार में किया गया। यह बैठक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग के निदेर्शानुसार केंद्र सरकार के विभागों एवं संस्थानों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा एवं सुदृढ़ीकरण हेतु आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय से सहायक निदेशक कार्यान्वयन अजय कुमार चौधरी, समिति अध्यक्ष प्रतीक श्रीवास्तव और संस्थान के संयुक्त आयुक्त डॉ. संदीप कुमार सिंह ने सहभागिता की। हिंदी गान की मधुर प्रस्तुति ने माहौल को राष्ट्रभाषा प्रेम से ओतप्रोत कर दिया, और अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट से किया गया।

बैठक के दौरान बागपत जिले के अंतर्गत कार्यरत केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, बैंकों एवं संस्थानों में पिछले छह महीनों में हिंदी के उपयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर समिति की पत्रिका 'कालिंदी धारा' का विमोचन भी किया गया, जिसमें हिंदी में हो रहे रचनात्मक कार्यों और उपलब्धियों को संकलित किया गया है।

हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों को राजभाषा शिल्ड पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यालय श्रेणी में चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान को प्रथम पुरस्कार, नेहरू युवा केंद्र बागपत को द्वितीय पुरस्कार, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चांदीनगर को तृतीय पुरस्कार तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं बैंकिंग श्रेणी में बैंक ऑफ बड़ौदा को प्रथम, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को द्वितीय, भारतीय स्टेट बैंक को तृतीय और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय से सहायक निदेशक कार्यान्वयन अजय कुमार चौधरी ने ह्यहिंदी सेतुह्व मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप हिंदी भाषा में सरकारी कामकाज के लिए उपयोगी संसाधनों को एक क्लिक पर उपलब्ध कराता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। बागपत क्षेत्र में हिंदी के माध्यम से लोगों तक योजनाओं और सेवाओं को सरलता से पहुँचाया जा सकता है, इसलिए सभी कार्यालय इसे प्राथमिकता दें।

संस्थान के संयुक्त आयुक्त डॉ. संदीप कुमार सिंह ने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की और संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। समिति अध्यक्ष प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी जनभाषा है और डिजिटल युग में इसकी पहुंच और प्रभाव दोनों ही बढ़े हैं, जिससे यह जन-जन तक सरलता से पहुँचाई जा सकती है।

समिति सचिव एवं केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक अभय नाथ मिश्र ने बताया कि राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उपसमिति गठित कर तिमाही आधार पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। वर्तमान में समिति से 22 कार्यालय जुड़ चुके हैं। उन्होंने सदस्य कार्यालयों से सुझाव आमंत्रित किए, जिससे समिति की कार्यप्रणाली और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बन सके।

कार्यक्रम का समापन संस्थान के सहायक आयुक्त डॉ. विकास गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन में योगदान देने वाले कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया। यह बैठक न केवल हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करने वाला आयोजन बना, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि तकनीक और भाषा का समन्वय कर देश को भाषाई रूप से और अधिक समृद्ध किया जा सकता है। हिंदी सेतु एप विकसित करने एवं कालिंदी धारा पत्रिका के संपादन एवं तकनीकी सहयोग के लिए युवा अमन कुमार को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

सांसद के प्रस्ताव पर नगर निगम में एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रस्ताव पारित

मेरठ। नगर निगम बोर्ड की आज आहूत बैठक में मेरठ हापुड़ लोकसभा के सांसद अरूण गोविल ने एक राष्ट्र-एक चुनाव का प्रस्ताव रखा जिससे सत्ता पक्ष के सदस्यों ने बहुमत से पारित कर दिया लेकिन एआईएमआईएम पार्षद फजल करीम सहित मुस्लिम लीग के पार्षदों के द्वारा प्रस्ताव के विरोध में जैसे ही बोलना शुरू किया तो भाजपा पार्षद अरूण मचल ने फजल करीम से माइक छीन लिया जिस पर हंगामा हो गया। इसके बाद भाजपाईयों ने जय श्री राम के नारे लगाने शुरू कर दिये और हंगामें के बीच प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। पार्षद फजल करीम का कहना है कि नगर निगम सदन में महानगर में लगे गंदगी के अम्बारों पर चर्चा मेरठ में कूड़े से बने पहाड़ों के निस्तारण पर चर्चा तथा महानगर के विकास एवं दलित, मालिन,अल्पसंख्यक बस्तियों में नरकीय जीवन जी रहे नागरिकों की परेशानियों से मुक्ति के लिए चर्चा किए जाने हेतु एजेंडा जारी किया गया था लेकिन पदेन सदस्य नगर निगम बोर्ड बैठक में रखे प्रस्ताव के समय यह भूल गए कि वह लोकसभा में बोल रहे हैं या नगर निगम की बैठक में क्योंकि ष्वन नेशन वन इलेक्शनष के प्रस्ताव की चर्चा लोकसभा में होनी है नगर निगम के निकायों के सदनों में ऐसी चर्चा करके विकास के मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं। बैठक का उद्देश्य महानगर के समस्त पार्षदों द्वारा जनहित के मुद्दों को शून्य कर शहर की जनता को गुमराह किया जा रहा है। हमारे साथ भाजपा के पार्षद ने धक्का मुक्की की एवं माइक छीन लिया ऐसे लोग जनता के मुद्दों को दबाना चाहते हैं ऐसी मानसिकता के लोगों का हम पुरजोर सामना करेंगे।महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने कहा की नगर निगम मेरठ के पार्षदों ने एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव पास करके एक नया अध्याय लिखा है जो हमेशा याद किया जाएगा देश की उन्नति के लिए एक चुनाव होना बहुत जरूरी है।

श्री खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव के लिए किया भूमि पूजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। नगर के सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज में आगामी 25 अप्रैल को सोनीपत धाम के प्रधान राकेश मित्तल के सानिध्य में श्री खाटू श्याम जी के तीसरे विशाल संकीर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा।

इसको लेकर श्याम प्रेमियों ने संकीर्तन महोत्सव स्थल पर भूमि पूजन किया। ठाकुरद्वारा मंदिर के पुजारी पंडित कृष्णानंद शास्त्री ने विधि-विधान व मंत्रोचार के साथ पूजन कार्य संपन्न कराया।

बताया कि 24 अप्रैल को सुबह सवा आठ बजे से ठाकुर द्वारा मन्दिर बागपत से भव्य निशान यात्रा निकाली जायेगी, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई उत्सव स्थल पर

पहुँचेगी। संकीर्तन में श्री खाटू श्याम का भव्य दरबार, छप्पन भोग, अखण्ड़ ज्योति, इत्र व पुष्प वर्षा व श्याम रसोई मुख्य आकर्षण का केन्द्र होगी। श्री श्याम संकीर्तन में बॉलीबुड़ सिंगर व सारेगामापा विनर मुम्बई सुमित सैनी, श्री अयोध्या धाम की बंकू सिस्टर्स, पंजाब के तेजी ब्रदर्स, अश्विनी यादव व शिवम इन्टरनेशनल म्यूजिकल ग्रुप दिल्ली द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी जायेंगी। प्रसिद्ध मंच संचालक मास्टर श्री भगवान दीक्षित द्वारा मंच का संचालन किया जायेगा। विभिन्न टीवी चैनलो व सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर संकीर्तन का लाईव प्रसारण किया जायेगा। इस मौके पर प्रकाश चौधरी, ललित माधव दास गोपाल, अमित चंदोरिया, कृष्ण राज, अंकित गुप्ता, मोनू वर्मा आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

गालो मुस्कुरालो संस्था ने स्थापना दिवस पर पत्रकारों को सम्मानित किया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। गालों मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी ने आज अपनी स्थापना के चार वर्ष पूरे होने पर एक सम्मान समरोहबक आयोजन किया। जिसमे बरेली के पत्रकारों को अंगवस्त्र उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गालों मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सचिव अरुण शर्मा ने कहा कि गालो मुस्कुरालो जूम के माध्यम से लोगों को जोड़ने की एक अद्भुत कला है और लोग घर पर रहकर अपने अन्य कार्यों के साथ साथ गायन से जुड़े रहते हैं। अभी तक लगभग 180 से ज्यादा लोग विभिन्न शहरों से प्रदेशो से इससे जुड़ चुके हैं प्रत्येक रविवार को 40-45 लोग इसमें शामिल होकर अपनी प्रस्तुति भी देते हैं।

सम्मानित होने बाले पत्रकारों में संजीव गंभीर, शाहिस्ता नफीस, विजय सिंह, लोटा मुरादाबादी, विवेक मिश्र, पुत्तन सक्सेना, अजय शर्मा, दीप तिवारी, टोनी, संजय श्रीवास्तव, सचिन भारतीय सहित अन्य पत्रकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन, अजयराज शर्मा ने किया।

इस मौके पर कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश ओबेराय, मिडिया प्रभारी विजय शर्मा ,विवेक सक्सेना,राजेश अग्रवाल ,रागिनी अग्रवाल,बेबी शर्मा,कंचन शर्मा ,कैलाश चंद्र शर्मा , नागेश अग्रवाल,बिपिन मेहरा,उदय गोयल ,विकास जोहरी ,विपिनचन्द्र मिश्र ,अजयराज शर्मा ,रतन शंकर शर्मा, आरती अग्रवाल ,पूनम शर्मा ,किरण पाठक,माला शर्मा आदि सदस्य मौजूद रहे।

बरेली में 2700 युवाओं को मिलेगा रोजगार, 732 लोगों ने किया आवदेन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत इस साल शासन से 2700 युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए नया लक्ष्य जारी कर दिया है। लक्ष्य मिलने के बाद उद्योग विभाग की ओर से आवेदन लेने शुरू कर दिए गए हैं। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक सात सौ से ज्यादा लोगों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर दिया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में 2025-26 के लिए शासन से उद्योग विभाग को 2700 युवक-युवतियों को लाभ देने का लक्ष्य जारी कर दिया है। एक से 18 अप्रैल तक 732 आवेदन किए गए हैं, इसमें से जांच करने के बाद 684 आवेदनों को बैंकों को भेज दिया गया जिसमें 138 फाइलों को लोन के लिए मंजूरी मिल गई है और 61 का ऋण भी स्वीकृत कर दिया गया है।

उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि शासन से मिले नए लक्ष्य की पूर्ति के लिए काम शुरू कर दिया गया है। आवेदन आ रहे हैं, उन्हें बैंकों को भेजा जा रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में जनवरी से योजना ने गति पकड़ी थी। ऐसे में समय कम था। 6891 आवेदनों में 5702 की जांच कर संबंधित बैंकों को भेज दिया गया था। 1413 फाइलें मंजूर हो गई हैं। बाकी आवेदनों को इस वित्तीय वर्ष में शामिल कर लिया जाएगा। आवेदकों की फाइलें स्वीकृत कराकर लाभान्वित किया जाएगा।

सैंट आर. वी. कॉन्वेंट स्कूल में भव्य ट्रॉफी वितरण समारोह संपन्न

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बड़ौत/बागपत-सैंट आर. वी. कॉन्वेंट स्कूल के प्रांगण में सोमवार को एक भव्य एवं प्रेरणास्पद ट्रॉफी वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विद्यालय के मेधावी छात्रों को उनके शैक्षणिक, नैतिक एवं अनुशासनात्मक प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने हेतु आयोजित किया गया था, जिसमें छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिसे समाजसेवी अनुराग जैन, विद्यालय की निदेशिका चारु जैन, प्रथम जैन (विभाग संयोजक, नोएडा विभाग, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) और प्रधानाचार्य पंकज शर्मा ने सामूहिक रूप से सम्पन्न किया। इस शुभारंभ ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया।

ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरण की झलकियांः कक्षा प्ले से लेकर बारहवीं तक के टॉप रैंक होल्डर्स को व्यक्तिगत रूप से मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, ₹मोस्ट पंक्चुअल₹ और मोस्ट डिसिप्लिन्ड जैसे विशेष पुरस्कारों के माध्यम से उन छात्रों को भी सराहा गया जो अनुशासन और समय की

पाबंदी को अपना जीवन मूलमंत्र मानते हैं। छात्र-छात्राओं की सूची में कक्षा प्ले से अवनी, नव्या, आयांश, स्पर्श, वेदांत, आर्यन, दिवांग, नर्सरी से तन्वी, नित्य, हृदय, सिया, अन्वी, एलकेजी व यूकेजी से आसिफ, विराज, आरोही, आरव, शानवी, ईशान, तेजसवी, देवीरा, कशिश, गुंजन, भव्य, अभिनव जैसे प्रतिभाशाली बच्चों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को गौरवान्वित किया।

अभिभावकों की भूमिका और प्रेरणाः कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास का संचार होता है। यह पहल न केवल उनकी प्रतिभा को पहचान देती है, बल्कि नैतिक मूल्यों की नींव को भी मजबूत करती है।

नेतृत्व का संदेशः विद्यालय की निदेशिका चारु जैन ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में बच्चों की मेहनत और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा,

पुरस्कार केवल एक प्रतीक होते हैं, असली जीत वह शिक्षा होती है जो बच्चे हर दिन जीवन से सीखते हैं। घर और स्कूल जब साथ मिलकर शिक्षा दें, तभी एक सशक्त नागरिक का निर्माण संभव है।

प्रधानाचार्य पंकज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा,बच्चे तभी संपूर्ण विकास कर सकते हैं जब अभिभावक और शिक्षक एकजुट होकर उन्हें सहयोग और प्रेरणा दें। आप सभी का सहयोग हमारे विद्यालय की सबसे बड़ी ताकत है।ह्व उन्होंने आगे सभी से अपील की कि वे भविष्य में भी इसी तरह सहयोग देते रहें ताकि बच्चों को सर्वांगीण विकास का एक सशक्त मंच मिल सके। संपूर्ण वातावरण प्रेरणा से भरा रहाःकार्यक्रम की सफलता में शिक्षकों की भूमिका भी विशेष रही। सभी अध्यापकगणों ने आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। समारोह का समापन तालियों की गूंज और उज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। संक्षेप में, यह समारोह न केवल पुरस्कार वितरण का एक मंच था, बल्कि यह बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच मजबूत रिश्तों और सामूहिक प्रयासों का उत्सव भी था – जो शिक्षा की असली आत्मा है।

फर्जी खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने वसूली के दौरान असली अफसर को धमका दिया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन (एफएसडीए) का नकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनकर राम प्रकाश यादव नाम का शख्स दुकानदारों से वसूली कर रहा है। असली खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार को उसके बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने स्थानीय व्यापारियों की मदद से उसे तलाश किया तो वह एक जगह वसूली करता मिल गया। मुकेश कुमार ने उसे समझाने की कोशिश की तो उसने उन्हें उल्टा धमका दिया। आरोपी ने कहा कि वह करीब 25 साल से इसी तरह वसूली कर रहा है। वह एक बार जेल भी जा चुका है।

वह अपने बारे में सोचें तो बेहतर होगा। उसे कार्रवाई से कोई फर्क नही पड़ता। आज तक कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सका है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश ने बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय को आरोपी के बारे में जानकारी देकर तहरीर भी दी। बारादरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो गई है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

संपादकीय

दिन व मजदूरी बढ़ाने की सिफारिश

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है।

इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फामूर्ले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी

चाहिए और तीसरी अंग्रेजी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फामूर्ले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडु में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडु ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडु ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वंसक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

पड़ोस में नये गठजोड़ के अशुभ संकेत

बांग्लादेश और पाकिस्तान द्वारा पुरानी गलतियों के लिए एक-दूसरे को माफ करने की आशंका साफ नजर आ रही है। पश्चिम व पूर्वी सीमा पर स्थित दोनों पड़ोसी देशों के बीच दशकों बाद बढ़ती निकटता भारत के लिए सकारात्मक संकेत नहीं। अब दारोमदार केंद्र सरकार पर है कि वह इस घटनाक्रम के असर से कैसे निपटेगी।

भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में, बंगाल की खाड़ी के इर्द-गिर्द एक नया समुद्र-मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह नव बांग्लादेश पींगें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में, पाकिस्तान में, शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित द्वि-राष्ट्र सिद्धांतऔर इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे।

शुरूआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह-मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे, इस दौरान बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी की मांग की। साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बादझ निस्संदेह भारत की कुछ मदद सेझ4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया।

इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे झ हालांकि यह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफी से उनके सर्वशक्तिमान सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं। जब भी यह माफी मांगी जाती हैझ सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है झ तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी।

कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी-छोटी चीजें ही बची हैं। जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार

मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे झ जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही, जिन्होंने यह मौका दिया झ लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है।

इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते बृहस्पतिवार रावलपिंडी में एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट-बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे। उन्होंने कहा : हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं, हमारे विचारों में भिन्नता है, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की नींव बनी। मुद्दा यह कि हम दो मुल्क हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैंझ। स्पष्ट रूप से, काबिल जनरल खुद को एक आधुनिक कायदे-आजम के रूप में देख रहे हैं, जिसकी पाकिस्तान को जरूरत है, ताकि ज्यादा दिनों तक खुद को एक जरूरत बनाकर टिकाए रख सकें। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बचाने की आवश्यकता नहीं है झ हालात बहुत खराब हैं, न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि राजनीति के भी, यह स्थिति उम्मीद के क्षितिज पर सैन्य प्रतिष्ठान को आसानी से सबसे चमकीला, चमकता सितारा बनाती है झयह अहसास निश्चित रूप से अन्य सब पर भारी है।

इस बीच, हमने देखा कि दो उंगलियां अपने गाल पर रखे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जनरल मुनीर की बातें खामोशी से सुन रहे थे। उस वक्त क्या वे अपने जहन में घुमड़ रही यादें यानि बड़े भाई नवाज शरीफ द्वारा भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने के प्रयासों के नतीजे को अलग रख पाए होंगे, जिसके कारण मुशर्रफ द्वारा कारगिल पर आक्रमण करने के तुरंत बाद उन्हें अटक जेल में कठोर सजा भुगतनी पड़ी थीं झ क्योंकि शेहबाज जानते हैं कि मुनीर की कृपा के बगैर वे सत्ता में नहीं रह सकते? लेकिन बीते सप्ताहांत का बड़ा सवाल यह है कि क्या आप मानसिक विडंबना के बावजूद दिल खोलकर हंस सकते हैं। आप दुश्मन बनना चाहेंगे या दोस्त?

यही बांग्लादेश, जो अब पाकिस्तान की तरफ हाथ बढ़ा रहा है, 53 साल पहले उसने पश्चिमी पाकिस्तानी सैनिकों की मशीनगनों की फायरिंग के सामने जॉय बांग्ला! का उद्घोष करते हुए द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को इतिहास के कूड़ेदान के हवाले किया था। आज, जब यूनुस अतीत में लौटने को बेकरार हुए पड़े हैं और जनरल मुनीर अलगाव का विचार याद दिला रहे हैं झ विद्रूपता यह कि वर्तमान में भारत में भी कुछ ऐसा ही विचार बहुत लोकप्रिय है झभाषा की बजाय बांग्लादेशी धर्म और भू-राजनीति के महत्व को पुनर्स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ.दो दिन पहले, यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार ने भारत को रूखे तरीके से अपनी घरेलू स्थिति को बेहतर ढंग से संभालने और पड़ोस के पश्चिम बंगाल में अपनी अल्पसंख्यक आबादी का ख्याल सही ढंग से करने की नसीहत दी है झ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संदर्भ में। इस पर भारत को गुस्सा चढ़ना समझा जा सकता है। लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इतना भर कहा कि पहले बांग्लादेशियों को अपने अंदर झांकना चाहिए और अपने हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए।

विभाजन के पैराकार हों या अखंड भारत के, दोनों के साथ यही मूल समस्या है कि उप-महाद्वीप इतना वैविध्यपूर्ण है कि चाहे कहीं भी रेखा खींचनी हो झ किसी के द्वारा भी, फिर चाहे यह रैडक्लिफ हो या मैकमोहन या डूरंड झ लकीर सीधी न होकर बेतरतीब होगी। कोई एक या दूजा या दोनों ही पक्ष नाराज अथवा गुस्सा हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

3 बैंकों के 96 खातों में पहुंची ठगी की रकम

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। अब जालसाजों ने ठगी की रकम को टुकड़ों में बांटना शुरू कर दिया है। एक साथ कई राज्यों की बैंकों में ठगी की रकम को ट्रांसफर करते हैं, ताकि पकड़ में न आ सकें। ऐसे ही शिक्षक से 52 लाख रुपये की ठगी करने के बाद ठगों ने विभिन्न राज्यों की 23 बैंकों के 96 खातों में रकम ट्रांसफर की है। साइबर पुलिस की जांच में यह मामला पकड़ में आया है। इसमें से पुलिस को होल्ड कराए गए 9 लाख रुपये में से 72 हजार रुपये वापस कराने में सफलता मिली है। यह बैंकें नागालैंड व मेघालय और जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों में स्थित हैं। दरअसल, हाईवे थाना क्षेत्र के गोवर्धन रोड स्थित वसुंधरा ब्यू निवासी शिक्षक अमित कुमार ने दिसंबर 2024 में फेसबुक पर प्राइमरी बाजार में निवेश करने का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप लिंक आ गया। इसमें बाद साइबर अपराधियों ने शिक्षक की सारी जानकारी जुटा ली। फिर दोगुना

मुनाफे का झांसा देकर ठगों ने प्राइमरी शेयर बाजार में निवेश के लिए ब्रोकर अकाउंट खुलवा दिया। इसके बाद शिक्षक से कई बार में 51.91 लाख रुपये निवेश करा दिए। कुछ दिन बाद यह रकम दोगुने मुनाफे के साथ अकाउंट में एक करोड़ रुपये दिखने लगी। पीड़ित ने यह रकम निकलने का प्रयास किया तो ठगों ने अकाउंट ब्लॉक कर दिया। यह देखकर शिक्षक के होश उड़ गए। उन्होंने 15 फरवरी को इसकी सूचना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दी। साइबर थाना प्रभारी छोटेलाल ने बताया है कि जांच जारी है। होल्ड कराई गई रकम में से करीब 72 हजार रुपये वापस कराने में सफलता मिली है। बाकी सारी रकम वापसी की प्रक्रिया जारी है। ठगी की जांच कर रही साइबर पुलिस को चौकाने वाली जानकारी मिली है। पुलिस ने जांच में पाया है कि साइबर ठगों ने 52 लाख रुपये की रकम को देश के विभिन्न राज्यों के 23 बैंकों के 96 खातों में ट्रांसफर की है। इनमें से कुछ बैंकों में 9 लाख रुपये होल्ड करा दिए हैं। यह सारी बैंक दूर-दराज के राज्यों में स्थिति हैं। इसमें मेघालय, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान समेत कई राज्य शामिल हैं। इन्हीं राज्यों के बैंक में साइबर ठगी की रकम भेजी गई है। एक-एक बैंक में साइबर अपराधियों के 10-10 बैंक खाते हैं। इन्हीं खातों में जालसाजों ने ठगी की रकम को टुकड़ों में ट्रांसफर किया है। फिलहाल साइबर पुलिस दूर-दराज वाले राज्यों में स्थित बैंकों के खाते खंगाल रही है।

फंदे पर लटका मिला व्यक्ति का शव मंदिर में करते थे सेवा कार्य

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन के बांके बिहारी क्षेत्र स्थित ठाकुर राधा स्नेह बिहारी मंदिर के पास एक व्यक्ति ने फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थला का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। जानकारी करने पर पता चला कि रमाकांत तिवारी उम्र लगभग 42 वर्ष बिहारीपुरा क्षेत्र स्थित एक घर में पूजा सेवा का कार्य करता था। यह मकान दिल्ली निवासी अंजलि गोस्वामी का है। जहां पर ठाकुर जी की सेवा पूजा एवं सुबह शाम आरती करने का कार्य रमाकांत तिवारी करते

थे। रविवार शाम को जब रमाकांत आरती करने आए तो उन्होंने पड़ोस के लोगों को बताया कि उनके घर पर मेहमान आए हुए हैं, इसलिए आज रात में यहीं पर सोएंगे। सोमवार की सुबह जब सफाई करने वाली महिला ने दरवाजा खोला, तो दरवाजा पहले से ही खुला हुआ था। दरवाजा खोलते ही सामने रमाकांत तिवारी का शव फंदे पर झूलता हुआ नजर आया। जिसकी सूचना उस महिला द्वारा आस पड़ोस के व्यक्तियों को दी गई। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतार कर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पड़ोसियों द्वारा बताया गया कि मृतक रतन छतरी क्षेत्र का रहने वाला था, उसके परिवार में पत्नी और एक बेटा-बेटी है। फिलहाल सभी लोग सन्न हैं, क्योंकि मृतक रमाकांत तिवारी बहुत ही हसमुख मिजाज के व्यक्ति थे। उनके अचानक इस कदम से सभी लोग दंग रह गए।

हनुमान जी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट

अमरोहा में आरोपी शाहजहां पठान गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो।

अमरोहा। गजरौला थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला सामने आया है लिसाड़ी बुजुर्ग के निवासी शाहजहां पठान ने अपने इंस्टाग्राम आईडी पर हनुमान जी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की ।

यह पोस्ट 20 अप्रैल को वायरल हुई आरोपी ने फोटो के साथ आपत्तिजनक संदेश साझा किया था मामले की गंभीरता को देखते हुए गजरौला थाना में मुकदमा दर्ज किया गया । पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है उस पर मुकदमा अपराध संख्या 186/25 के तहत धारा

352, 353 बीएनएसएस दर्ज किया गया बाद में धारा 170 135 126 बीएनएसएस के तहत भी कार्रवाई की गई ।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़े कार्रवाई की जाएगी आरोपी को जेल भेज दिया गया

नगर निकायों द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय अभियान के तरत दूसरे दिन भी हटाई गई अवैध होर्डिंग

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो।

बाराबंकी । नगर निकायों द्वारा मुख्य मार्गों पर लगे स्ट्रीट लाइट के पोल पर विभाग की अनुमति के बिना लगाए गए होर्डिंग बोर्ड को उतारने का तीन दिवसीय अभियान के तहत दूसरे दिन भी नगर पालिका नवाबगंज और जिले की सभी नगर पंचायतों के कर्मचारियों ने सैकड़ों पोल पर लगे होर्डिंग बोर्ड को हटाकर अपने कब्जे में ले लिए। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद नवाबगंज श्री संजय शुक्ला ने बताया कि पिछले कई दिनों से निरंतर आम जनता की शिकायतें मिल रही थी कि स्टेट हाईवे के अलावा मुख्य मार्गो पर जितने भी स्ट्रीट लाइट व बिजली के पोल लगे हुए हैं। उन पर अधिकांश लोगों ने विभाग की अनुमति के बिना

ही अपने प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग बोर्ड लगाए हुए हैं और इन होर्डिंगों के कारण दुर्घटनाओं का भय भी बना रहता है जिसको शासन व जिला प्रशासन ने संज्ञान लिया और त्वरित कार्यवाही करने के लिये जिले भर में रविवार से चल रहे तीन दिवसीय अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स हटवाने के निर्देश दिए । जिसके क्रम में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अधिकारियों द्वारा रविवार से इस अभियान की शुरूआत नगर पालिका परिषद नवाबगंज और जिले की सभी 13 नगर पंचायतों में एक साथ की गई। अभियान में नगर पालिका परिषद नवाबगंज सहित जिले की नगर पंचायतों के सभी ईओ और अन्य कर्मचारीगण अपने अपने क्षेत्र में उपस्थित रहे।

सखी लेडीज क्लब ने पारंपरिक खेल पर्यावरण से संबंधित जानकारियां दीं

बरेली। सखी लेडीज क्लब द्वारा डिस रेस्टोरेंट प्रेम नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने सहभागिता की कार्यक्रम में पारंपरिक खेल, पर्यावरण से संबंधित जानकारियां ली आने वाली 22 तारीख को विश्व पृथ्वी दिवस पर ऊर्जा बचाने के विभिन्न प्रयोग के बारे में बात की बात सभी से आग्रह किया कि सभी लोग अपने घरों में 22 तारीख को शाम 8:00 बजे से आधे घंटे के लिए बिजली बचाने के लिए सारे लाइट्स ऑफ रखेंगे सखी लेडीज क्लब द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहता है।

कार्यक्रम में रचना सक्सेना, शशि प्रभा, शीलू, सुष्मिता, अर्चना, प्रीति,कामाक्षी, मोनिका ,नीरू, एकता, सांची ,झरना उपस्थित रहे।

समाज सेवी अलका निम ने एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह व टीम को किया सम्मानित

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

हापुड़ । भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 134वें जन्म दिवस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा निभाए गए ठोस कदम और सतर्कता व शांति पूर्वक सभी कार्यक्रम को संपन्न करने की कार्यकुशलता को देखते हुए समाज सेवी अलका निम ने एस पी कुंवर ज्ञानंजय सिंह और उनकी टीम को सम्मानित किया।

समाज सेवी अलका निम ने कहा की डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर एक ऐसे जनप्रतिनिधि थे जो सर्वमाज को साथ में लेकर भारतीय संविधान की रचना की जिससे की भारत देश उच्च स्तर पर तरक्की कर सके।

आगे कहा की जिस तरह से अब बाबा साहब का जन्मदिन बनाया है इसी प्रकार सर्व समाज एकता का परिचय देते हुए शांति पूर्वक जनदिवस व अन्य कार्यक्रमों को भी मनाएंगे। और समाज सेवी अलका निम ने पुलिस प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मैनपुरी। आज भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारियों द्वारा जिला अधिकारी को किसानों की समस्या के लिए ज्ञापन दिया जिसमें जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जो मैनपुरी बाईपास निकल रहा है उसमें किसानों की जमीन मार्ग में आ रही है जिसका अधिग्रहण किया जा रहा है। चूंकि वो जमीन किसानों की है इसलिए जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि मैनपुरी में सभी जगह के सर्किल रेट बढ़ाए गए है लेकिन बाईपास मार्ग पर जिस जमीन का अधिग्रहण हो रहा है वहा का सर्किल रेट पुरानी सूची के अनुसार है।जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की गई कि इस जमीन का रेट भी नई सूची के हिसाब से ज्यादा मिले।

जिलाधिकारी को अवगत कराया गया इस समय गेहूं की कटाई चल रही है और गांव में विद्युत आपूर्ति, विद्युत विभाग द्वारा पर्याप्त मात्रा में नहीं की जा रही है। यदि विद्युत समस्या का निदान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन भानु को आंदोलन करना पड़ेगा।

आज ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष दीपक चौहान, युवा जिला अध्यक्ष एड. कन्हैया कुलश्रेष्ठ, गोल्डी गौतम (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) एड.अमित जौहरी (जिला महामंत्री) अतुल ठाकुर(राष्ट्रीय संगठन मंत्री)अरविंद राजपूत,सचिन यादव, एंड विकास सैनी,आशु चौहान, अनस अंसारी , शिवम यादव, गौरव सिंह,आलोक यादव एडवोकेट, मोनिका सिंह,पूनम राठौर, शिवानी चौहान, आकाश चौहान,अवनीश यादव, आनंद पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

एसएसपी ने बाइक से निरीक्षण कर देखा गोवर्धन का परिक्रमा मार्ग

मथुरा। गोवर्धन में नवागत एसएसपी ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद थाना गोवर्धन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण की सूचना जब अधिकारियों को लगी तो उनमें खलबली मच गई। आनन-फानन व्यवस्था दुरुस्त की गई। इस दौरान एसएसपी ने प्रशिक्षु आईपीएस गोल्डी गुप्ता के साथ बाइक से परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण भी किया। एसएसपी श्लोक सिंह ने थाना परिसर, कार्यालय आदि का भ्रमण करते हुए थाने पर अपराध रजिस्टर, निरोधात्मक कार्रवाई रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट रजिस्टर, सक्रिय अपराधी रजिस्टर व अन्य अभिलेखों को देखा। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को समस्त कार्रवाई का निर्वहन पूर्ण व सही तरीके से करने के निर्देश दिए। बीट आरक्षी व मुख्य आरक्षियों को अपने अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक भ्रमणशील रहकर लोगों से नियमित संपर्क में रहने को कहा। इसके बाद उन्होंने दानघाटी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बाइक से परिक्रमा मार्ग का भी अवलोकन किया। सीओ आलोक सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस और थाना प्रभारी गोल्डी गुप्ता, क्राइम इंस्पेक्टर संजीव दुबे, कस्बा इंचार्ज जितेंद्र कुमार, अंशु कौशिक आदि मौजूद रहे।

संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा फिर हुई शुरू, उमड़ा शैलाब

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन की पावन भूमि एक बार फिर भक्ति की सरिता में सराबोर हो उठी जब संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा फिर से प्रारंभ हुई। विश्व के कोने-कोने से आए भक्तों ने जब अपने प्रिय संत के दर्शन किए तो उनकी आंखों में श्रद्धा और आनंद छलक उठा। कुछ समय पहले संत प्रेमानंद महाराज की रात्रिकालीन पदयात्रा यात्रा स्थगित हो गई थी, जिससे भक्तगणों में निराशा व्याप्त थी। महाराज सुबह के समय गाड़ी से निकल रहे थे। उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था। लेकिन जैसे ही यात्रा पुनः शुरू होने की खबर मिली, वैसे ही पूरे वृंदावन में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी।

रविवार की रात्रि, भक्तों ने छटीकरा मार्ग स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आवास 'श्री कृष्ण शरणम' से लेकर रमनरेती मार्ग स्थित श्री राधा हित केली कुंज आश्रम तक के पूरे मार्ग को रंगोली और दीपों से सजाया। जैसे ही महाराज जी अपने आवास से पदयात्रा हेतु निकले, हजारों की संख्या में भक्तों ने जयकारों और भजनों की गूंज के साथ उनका स्वागत किया। भक्तों ने वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि और भक्ति गीतों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। मार्ग में कदम-कदम पर पुष्पवर्षा होती रही और 'राधे राधे' के जयकारों से पूरा वृंदावन गूंज उठा।

हादसों को दावत दे रहे सड़कों पर हुए गड्ढे

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। सड़कों पर बने गहरे-गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। रात के समय वाहन चालकों का निकलना दुश्वार हो रहा है। भरतपुर गेट से एसबीआई चौराहे से मिलने वाली सड़क के बीच में रोड की सूरत बिगड़ गई है। बड़े-बडे गड्ढे सड़क हादसों को दावत दे रहे हैं। कई स्थानों पर गहरे गड्ढे है। ऐसे में राहगीरों को बदहाल मार्ग पर चलने से गंतव्य तक पहुंचने में अधिक समय भी लग रहा है। इस ओर न

अधिकारी ध्यान दे रहे हैं न ही जनप्रतिनिधि सुध ले रहे हैं। खराब रोड से लीक हुई पेयजल लाइन रोड इतना खराब हो गया है कि सड़क किनारे पड़ी भूमिगत पेयजल पाइपलाइन भी लीक होने लगी है। सुबह और शाम को प्रतिदिन लीटरों के हिसाब से पानी बह रहा है। न अधिकारी ध्यान दे रहे हैं, न ही जनप्रतिनिधि सुध ले रहे हैं। अनिल कुमार, अपर नगर आयुक्त ने कहा, अगर कहीं ऐसी स्थिति है तो उसे दुरुस्त कराया जाएगा। साथ ही पेजयल लाइन ठीक कराने के लिए जलकल विभाग को पत्र लिखकर अवगत कराया जाएगा।

भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन ने तहसीलदार को सोपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद (सोमवार को भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष सुनील सागर जिला संयोजक सुवीर आजाद के नेतृत्व में तहसीलदार राकेश कुमार चंद्रा शाहबाद को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें भीम आर्मी स्टूडेंट के जिला संयोजक सुवीर आजाद के द्वारा बताया गया कि कोचिंग सेंटर,लाइब्रेरी एवं समस्त शिक्षण संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस कम की जाए ,प्रतिवर्ष कोर्स बदलने को भी प्रतिबंधित किया जाए , सभी शिक्षण संस्थानों में फीस अधिक होने के कारण गरीब बच्चे शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं उसके लिए सभी शिक्षण संस्थानों की फीस को कम किया जाए, अनऑथराइज्ड कोचिंग सेंटर को बंद किया जाए

एवं सभी शिक्षण संस्थानों में अच्छे टीचरों की व्यवस्था की जाए इसी को लेकर भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष ने भी छात्रों के हित की मांग करते हुए कहा कि सभी कोचिंग सेंटरों के और लाइब्रेरी के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे प्रति एक शिक्षण संस्थानों में लगाए जाएं जिससे बच्चों की शिक्षण अधिगम में भी अधिक वृद्धि होगी उपरोक्त मांगों से शिक्षा में सुधार होगा जिससे हमारी बहन बेटियां सुरक्षित एवं शिक्षा ग्रहण कर सकेंगी

ज्ञापन स्थल पर मौजूद रहे भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष सुनील सागर, भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन के जिला संयोजक सुवीर आजाद, छात्र संघ कोर कमेटी सदस्य संजीव कुमार,कोर कमेटी सदस्य सत्यवीर सिंह, बोनस सरपंच, सोमवीर आजाद ,बसंत कुमार ब्लॉक अध्यक्ष ,वीरेश ,हरज्ञान सिंह, बॉबी सागर, भीम खिलाड़ी, राकेश आदि छात्र मौजूद रहे

कार्यकर्ता की पुलिसिया पिटाई पर भड़के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला

एसपी ने दारोगा और सिपाही को किया लाइन हाजिर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मऊ, चित्रकूटः पुलिस कर्मियों द्वारा भाजपा नेता के बेटे की बेरहमी से पिटाई करने की सूचना मिलने पर मानिकपुर के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला रात्रि में ही मऊ पहुंच गए। उन्होंने इस मामले में पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर घटनाक्रम की जानकारी देते हुए त्वरित कार्यवाही की मांग की। जिस पर एसपी ने एक उपनिरीक्षक और एक सिपाही को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। इसके बाद पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने कहा कि जिले में कुछ अधिकारी और कर्मचारी ऐसे कृत्यों से भाजपा सरकार की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे है। जिससे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा नेता संदीप त्रिपाठी के पुत्र आदित्य का बीती रात में थाने के पुलिस कर्मियों से विवाद हो गया। जिसके बाद पुलिस कर्मी उसे मऊ थाने ले गए। इसकी सूचना मिलने पर

भाजपा नेता संदीप त्रिपाठी भी वहां पहुंच गए। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब के नशे में उनके बेटे को पुलिस कर्मियों ने डंडे से पीटा है। भाजपा कार्यकताओं की सूचना पर पूर्व विधायक आनंद शुक्ला भी वहां पहुंच गए। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी एसपी अरुण कुमार सिंह को दी। जिसके बाद वहां पहुंचे मऊ क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी ने उप निरीक्षक और आरक्षी का मेडिकल कराया। साथ ही पुलिस द्वारा पीटे गए आदित्य त्रिपाठी का चिकित्सीय परीक्षण भी कराया गया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि भाजपा नेता का पुत्र व उसका मित्र भीड़भाड़ के बीच बाइक से बाजार में घूम रहे और हॉर्न बजा रहे थे। इसे लेकर वहां कुछ पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। इसके बाद उनके बीच विवाद हो गया। इस मामले में उन्होंने उपनिरीक्षक और आरक्षी को लाइन भेज दिया है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज एकत्रित कराकर मामले की जांच की जा रही है। शुरूआती जांच में ऐसा बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान आरक्षी को भी थप्पड़ मारे गए थे। अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को कलेक्टरेट स्थित अपने चैंबर में जनसुनवाई के तहत फरियादियों की समस्याएं सुनी। साथ ही निस्तारण के लिए सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने उपस्थित फरियादियों की शिकायतों को एक-एक कर सुना। साथ ही प्राप्त प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में अधिकारियों को शासन की मंशानुरुप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के

लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जमीन से सम्बन्धित प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराएं।

उन्होंने कहा कि जन सुनवाई के दौरान जो भी समस्याएं आ रही है, उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं। साथ ही समस्या निस्तारण से सम्बन्धित शिकायतकर्ता को निस्तारण से संतुष्टि भी मिलनी चाहिए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल धर्मन आदि मौजूद रहे।

एसपी ने ली बीट अधिकारियों की बैठक

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय चैम्बर में थाना व चैकियों में तैनात बीट पुलिस अधिकारियों की बीट बुक चेक की। साथ ही बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीट प्रणाली के प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराने के सम्बन्ध में पुलिस कार्यालय चैंबर में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने थाना व चैकी में तैनात बीट पुलिस अधिकारियों की बीट बुक को चेक किया। साथ ही बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों का जानकारी दी। एसपी ने बीट अधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं अधिकार, ग्राम प्रहरियों का दायित्व, सी-प्लान एप का उपयोग, बीट क्षेत्र में लाइसेन्स धारकों, पासपोर्ट धारकों, सम्भ्रान्त व्यक्तियों के नाम बीट बुक में दशार्ने, थाने पर प्राप्त सभी प्रकार के बीट सम्मन, नोटिस, वारण्ट, प्रार्थना पत्र जांच, चरित्र सत्यापन, विवेचना सम्बन्धित पासपोर्ट, तामिला, क्षेत्रीय त्यौहारों के सम्बन्ध में जानकारी दी।

नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ बीके जैन को मिली डी.लिट्. की उपाधि

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ बीके जैन को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में पाँच दशकों से किए गए अभूतपूर्व सेवाकार्यों और योगदान के लिए गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के 29वें दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी. लिट्.)ह्यह्य की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

डॉ बीके जैन को यह विशिष्ट सम्मान गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्रदान किया गया। डॉ. जैन द्वारा नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों में अत्याधुनिक सेवाएं पहुँचाने, शोध व नवाचार को बढ़ावा देने एवं लाखों लोगों की दृष्टि लौटाने के लिए किए गए कार्यों

की सराहना इस उपाधि के माध्यम से की गई। डॉ. जैन ने सम्मान प्राप्ति पर कहा कि यह सम्मान देश में नेत्र चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे संस्थानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

इस दौरान गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के बीच नेत्र चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध पत्र पर भी हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति वैद्य नरेश कुमार जैन एवं कुलसचिव डॉ. अशोक चावड़ा ने यह अनुबंध पत्र अनुमोदित कर डॉ. जैन को सौंपा। डॉ जैन ने कहा कि इस सहयोग से नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में शोध, प्रशिक्षण एवं सेवाओं को नई दिशा मिलने की आशा है।

विश्वविद्यालय के शिक्षक पर हमला करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः कार और बाइक के बीच हल्की भिड़ंत को लेकर हुए विवाद के दौरान जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक को आधा दर्जन युवकों ने पीट दिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के साथ हमलावर युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक सुशील कुमार त्रिपाठी पुत्र शिवाकर राम त्रिपाठी बीते रविवार की शाम सीतापुर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान मंदाकिनी पुल के बाद स्पीड ब्रेकर पर पीछे से आ रही दो बाइकों के ओवरटेक करने के दौरान उनकी कार से टच कर गई। जिसके बाद दोनों बाइको पर सवार अम्बुज पाण्डेय, सूर्या उर्फ कुलदीप पाण्डेय, आयुष पाण्डेय, निखिल उर्फ गौरव तिवारी, राजेश कुमार पाण्डेय निवासीगण पिपरौंध थाना मऊ जनपद ने उनकी गाड़ी रोककर उन्हें बाहर बुलाया। इसके बाद तीन दर्जन अज्ञात लोगो को बुलाकर उनके साथ मारपीट की। मारपीट के बाद घटना की सूचना उन्होंने कर्वी कोतवाली प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह को दी। जिसके बाद सम्बन्धितों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए। चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग खोही रमेश सिंह मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। जिसकी विवेचना के क्रम सोमवार को चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग खोही व उनकी टीम ने पांचों आरोपियों को एक चार पहिया वाहन के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली टीम में चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग खोही के साथ आरक्षी अभिषेक सिंह, अनुज यादव व नागेश शामिल रहे।

फतेहपुर में तिहरे किसान हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सौंपा ज्ञापन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः विगत दिनों फतेहपुर में हुए तिहरे किसान हत्याकांड के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने कलेक्टरेट परिसर पहुंचकर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को ज्ञापन सौंपा है।

भारतीय किसान यूनियन के सदर तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गुंडा राज कायम है, दबंग मर्डर कर रहे है और पुलिस कुछ भी नहीं कर पा रही है। बताया कि विगत दिनों उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के ग्राम अखरी के किसान परिवार के तिहरे हत्याकांड ने किसानों को झझकोर कर रख दिया है। कहा कि भारतीय किसान यूनियन मांग करता है कि पीड़ित किसान परिवारों को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। साथ ही किसान परिवार एवं साथी गवाहों के लिए उचित सुरक्षा की व्यवस्था करें और सुरक्षा की दृष्टि से मृतक परिवार को शस्त्र लाइसेंस दिया जाए। साथ ही मृतक परिवारों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, मृतक परिवारों के बच्चों को आजीवन मुक्त शिक्षा की व्यवस्था की जाए तथा आरोपियों के ऊपर गैगेंस्टर एवं एनएसए के तहत कार्यवाही करते हुए इस प्रकरण को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाते हुए दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए।

इस मौके पर किसान श्रीकेशन राजपूत, विजय त्रिपाठी, जगमोहन, छेदीलाल सिंह, शिव सिंह, रामेश्वर सिंह, संतगोपाल भारतीय, रामसहाय, सतेंद्र सिंह, शिवप्रसाद, कमलेश कुमार, अर्जुन सिंह, विक्रम पटेल, श्रीराम कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रद्धा भावना के साथ मनाया गया गुरु अर्जन देव का प्रकाश पर्व

ललितपुर, श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वाधान में 5 वे गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी का प्रकाश पर्व गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा में मनाया गया इस अवसर पर प्रातः सुखमणि साहिब जी के पाठ स्त्री साध संगत द्वारा हुए उपरांत साप्ताहिक पाठ साहिब जी की समाप्ति वा लंगर की सेवा सरदार बलदेव सिंह जी चरणजीत सिंह जी परिवार द्वारा हुई सभा को संबोधित करते हुए मुख्य ग्रंथि ज्ञानी जसवीर सिंह जी ने गुरबाणी कीर्तन व कथा में कहा कि पंजाब के गोइंदवाल में 15 अप्रैल 1563 को गुरु अर्जुन देव का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम गुरु रामदास और मां का नाम बीवी भानी था। गुरु रामदास स्वयं चौथे सिख गुरु थे और उनके नाना गुरु अमरदास भी सिखों के तीसरे गुरु थे। ऐसे में गुरु अर्जुन देव का बचपन गुरु की देखरेख में बीता। गुरु अर्जुन देव को गुरु अमरदास ने गुरुमुखी की शिक्षा दी। साल 1579 में उनका विवाह मां गंगा देवी जी के साथ हुआ था। उनके बेटे का नाम हरगोविंद सिंह था, जोकि बाद में सिखों के छठवें गुरु बने थे श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा ने कहा कि साल 1581 में गुरु अर्जुन देव सिखों के 5वें गुरु बने थे। गुरु अर्जुन देव ने अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे की नींव रखवाई थी, जिसको आज गोल्डन टेंपल यानी की स्वर्ण मंदिर के नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि गुरुद्वारे का नक्शा खुद अर्जुन देव जी ने बनाया था।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा ने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब का संपादन गुरु अर्जुन देव जी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब का संपादन भाई गुरदास के सहयोग से किया था। गुरु अर्जुन देव ने रागों के आधार पर गुरु वाणियों का वर्गीकरण भी किया था। बता दें कि गुरु ग्रंथ साहिब में स्वयं गुरु अर्जुन देव के हजारों शब्द हैं इस अवसर पर गुर्जर सभा के अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह छतवाल मंत्री मनजीत सिंह पत्रकार जगजीत सिंह बॉबी दलजीत सिंह सतनाम सिंह भाटिया बॉबी राजा नाराहट अर्जित सिंह गुरबीर सिंह सुरजीत सिंह बैंक वालेआनंद सिंह गौरव सिंह बलजीत सिंह सलूजा मैनेजर केदार सिंह पिंटू अनमोल सिंह छोटू चोपड़ा पार्षद रमेश गांधी अरविंदर सिंह सागरी आदि उपस्थित थे संचालन महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा ने किया

ग्राम पंचायत सूरी कलां में पानी की समस्या

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर ब्लॉक बार अंतर्गत ग्राम पंचायत सूरी कलां में एक बड़ा मुद्दा सामने आया है, जो ग्रामीणों की जिंदगी को प्रभावित कर रहा है। गांव के बहुत से हैण्ड पम्प कई महीनों से खराब पड़े है, जिससे ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है

ग्रामीणों ने बताया कि हैण्ड पम्प के खराब होने से उन्हें पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है, जिससे उनके समय और श्रम दोनों

की बबार्दी होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द हैण्ड पम्प की मरम्मत करवाई जाए, ताकि उन्हें पानी की समस्या से निजात मिल सके

यह समस्या न केवल ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकती है। पानी की कमी के कारण ग्रामीणों को दूषित पानी पीने को मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

लाशवासी पं. रामस्वरूप देवलिया जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावपूर्ण भजन संध्या व श्रद्धांजलि समारोह का भव्य आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

कैलाशवासी पं. रामस्वरूप देवलिया जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावपूर्ण भजन संध्या व श्रद्धांजलि समारोह का भव्य आयोजन किया गया तुबन मंदिर प्रांगण में। कैलाशवासी पं. रामस्वरूप देवलिया जी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर एक दिव्य भजन संध्या एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा, स्मृति और संस्कृति का अनुपम संगम बन गया। कार्यक्रम की शुरूआत तुबन मंदिर के महंत श्री रामलखन दास जी के आशीर्वचनों से हुई, जिनका आशीर्वाद सभी उपस्थितजनों के लिए संबल बना।

कार्यक्रम को संगीतमय बनाने में लोकप्रिय ख्याति प्राप्त सुधीर व्यास जी के भावविभोर कर देने वाले भजनों का विशेष योगदान रहा। उनके स्वर और भावनाओं से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। जनसैलाब झूम उठा और अनेक श्रद्धालु आँखों में श्रद्धा के आँसू लिए भजनों में लीन दिखे।

सुधीर व्यास जी द्वारा गाए गए प्रमुख भजनः

राम नाम का प्याला पिलाओङ्ग

तेरा मेरा साथ रहे

माँ का आँचल छोड़ ना पाऊँ

श्रीरामचंद्र कृपालु भजमन

इन भजनों ने सभी को भावविभोर कर दिया और कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की।

यह आयोजन सिर्फ एक श्रद्धांजलि नहीं था, यह एक जीवनदर्शन था। पं. रामस्वरूप देवलिया जी की स्मृतियों को समर्पित यह प्रयास न केवल उनके व्यक्तित्व की महानता को रेखांकित करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक उज्ज्वल स्त्रोत भी बनेगा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेः

विधायक श्री रामरतन कुशवाहा, श्री प्रदीप चौबे, कमलापत रिछारिया, संतोष शर्मा, निखिल तिवारी, कौस्तुभ चौबे, प्रदीप जैन आदित्य पूर्व केंद्रीय मंत्री, श्री सुनील शर्मा, हरीशचंद्र रावत भाजपा जिलाध्यक्ष, मुक्ता सोनी, कैलाश निरंजन, हरीश कपूर टीटू, रविंद्र संज्ञा, रमेंश पाठक, रमाशंकर गुब्बरेले एवं हरविंदर सलूजा आदि अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रामलीला एवं हनुमान जयंती समिति के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में समिति के सक्रिय सदस्य – बृजेश चतुवेर्दी, राजेश दुबे, अमित तिवारी, प्रबल सक्सेना व उनकी पूरी टीम विशेष रूप से उपस्थित रही।

देवलिया परिवार की ओर से पं. प्रकाश नारायण देवलिया, रूप नारायण देवलिया, इंजी. विनय देवलिया, डॉ. विवेक देवलिया, पुनीत देवलिया, मुकेश देवलिया, दिनेश देवलिया, शुभम देवलिया, डॉ. सौरभ देवलिया समेत समस्त परिवारजनों की उपस्थिति भावुक कर देने वाली रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में देवलिया परिवार, सभी जनपदवासी, मित्रगण, और समिति के समस्त सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

पं. रामस्वरूप देवलिया जी के स्मरण में कुछ भावभीनी पंक्तियाँः

जिनके स्नेहिल स्पर्श से जीवन में उजास था,
जिनकी वाणी में आशीर्वाद और नेत्रों में करुणा की झलक थी,
वे आज भले ही सशरीर नहीं हैं,
पर उनका संस्कार, उनका आदर्श, हम सबके मन में जीवित है।
उनकी पुण्यतिथि पर समर्पित यह आयोजन एक यज्ञ था–
प्रेम, श्रद्धा और प्रेरणा का।

सूर्य को रोशनी दे रही एलईडी लाइट

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। नगर पालिका परिषद अब तक दिन में चल रही शहर की स्ट्रीट लाइट की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। इस कारण एलईडी लाइट दिन रात जल रही है, इस कारण बिजली की फिजूलखर्ची हो रही है। बता दें कि बीती बोर्ड बैठक में इस समस्या के समाधान के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था, जिसमें स्विच लगाने से लेकर कर्मचारी की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया था। इसके बाद भी समस्या का अब तक निराकरण नहीं किया जा सका है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

ललितपुर। नगर पालिका परिषद अब तक दिन में चल रही शहर की स्ट्रीट लाइट की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। इस कारण एलईडी लाइट दिन रात जल रही है, इस कारण बिजली की फिजूलखर्ची हो रही है। बता दें कि बीती बोर्ड बैठक में इस समस्या के समाधान के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था, जिसमें स्विच लगाने से लेकर कर्मचारी की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया था। इसके बाद भी समस्या का अब तक निराकरण नहीं किया जा सका है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

प्रतीक्ष फाउंडेशन ने दुर्घटना में मरे और लावारिस शवों को मुकाम तक पहुंचाया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

सीकर आभावास। दुर्घटना और लावारिस हालत में मृतक लोगों के शव को मुकाम तक पहुंचाने का कार्य शहर की प्रतीक्षा फाउंडेशन निरंतर कर रही है कोरोना कल के बाद शवों की बेकद्री और लोगों के दर्द को देखकर 2021 से यह संस्था शुरू की गई। संस्था कोटा जोधपुर सीकर खंडेला कस्बे में भी संचालित है। संस्था की अध्यक्ष प्रतीक्षा पारीक को 15 अगस्त 2023 में कोटा एवं 15 अगस्त 2024 में सीकर जिला कलेक्टर सम्मानित हो चुकी है। प्रतीक्षा फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष प्रतीक्षा पारीक के अनुसार उनकी मां विद्या पारीक संस्था में सचिव है उन्हें कोरोना कल में अस्पताल में जरूरतमंद परिवारों के लिए भोजन सेवा शुरू की इसी दौरान बाहर के

लोगों की मौत के बाद उनके सब ले जाने तक के लिए परिवारजन आगे नहीं आ रहे थे किसी के पास एंबुलेंस का भारी किराया देने तक के रुपए नहीं थे ?। एक युवक अपनी वृद्ध मां केशव को छोड़कर चला गया।

उसका अंतिम संस्कार विद्या पारीक और प्रतीक्षा पारीक की मां व बेटी ने कराया। उसी दिन से सबको उनके घर तक पहुंचाने की सेवा शुरू की और संस्था गठन किया। संस्था की अध्यक्ष प्रतीक्षा पारीक ने बताया की अब तक 200शव मुकाम तक पहुंचाए है। यह फाउंडेशन की ओर से सर्दी में अस्थाई रैन बसेरे लगाए जाते हैं संस्था अस्पतालों में प्याऊ का संचालन भी करती है, गरीब बस्ती के स्कूल में बच्चों को किताबें स्टेशनरी सामग्रीनिशुल्क देती है, रक्तदान शिविर हेल्थ कैंप आदि का कार्य करती है

पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ बूंदी द्वारा उपमुख्यमंत्री का स्वागत कर ज्ञापन सोपा

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी! राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ बूंदी द्वारा जिला अध्यक्ष मनोज खटीक के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का बूंदी प्रथम आगमन पर गुलदस्ता भेंट कर स्वागत कर ज्ञापन सोपा!

महासचिव वरुण शर्मा ने बताया कि राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ द्वारा प्रदेश भर के 23740 संविदा कमीयों पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक जिनको संविधा सेवा रूल्स 2022 में अडॉप्ट किया गया के अनुसार नियतिकरण की प्रक्रिया शुरू कर नियमित करने की मांग के साथ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा बजट घोषणा 2025 मे आई ए एस पैटर्न के अनुसार अनुभव में 2 वर्ष की छूट की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक

शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय आदेश अभी तक जारी नहीं किया गया है इस विभागिय आदेश को जारी करने की मांग के साथ वर्तमान में कार्यरत पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायकों के संविदा सेवा रूल्स 2022 में अडॉप्ट हो चुके हैं के नियमित पद सृजित कर नियमित किया जाए साथ ही संविदात्मक सेवा तथा विद्यार्थी मित्र के साथ सक्षम अधिकारी डीईओ द्वारा जारी किए गए अनुभव को जोड़ने तथा विभाग में कार्यरत करीब 7000 विद्यालय सहायक जो कि अप्रशिक्षित हैं उनका प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाए एवं उनकी विभागीय संबंधी डिग्रियां जोड़ी जाए

उक्त समस्त मांगों का ज्ञापन संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को सोपा इस दौरान जिला सचिव नंदकिशोर शर्मा राजमल शर्मा प्रद्युम्न बागड़ी सहित पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक उपस्थित रहे

महिला प्रधान ने ACEO को चप्पल से पीटा, जिला कलेक्टर आफिस में दिशा की बैठक के बाद हुआ हंगामा

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो.

खैरथल-तिजाराः कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को दिशा की बैठक केबाद उस समय हड़कंप मच गया जब कोटकासिम की प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने खैरथल-तिजारा जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अउएड) संजय कुमार यादव पर चप्पलों से हमला कर दिया। दिशा की बैठक सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता मे हुई जिसमे जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित हुए थे घटना बैठक के बाद हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैप्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब एसीईओ संजय यादव कलेक्ट्रेट कार्यालय से बाहर निकल रहे थे। उसी दौरान प्रधान विनोद कुमारी ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। मारपीट करते हुए उन्होंने चिल्लाते हुए कहा मुझे सस्पेंड कराओ, आज और अभी। एसीईओ संजय यादव ने मामला दर्ज कराया। पुलिसने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 121(1), 132, 351(2)(3), 308(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जिम्मेदारी खैरथल थाना अधिकारी राकेश कुमार मीणा को सौंपी गई है। घटना के दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामले को शांत करवाया। इसके बाद एसीईओ संजय यादव ने एडिशनल एसपी को

लिखित शिकायत सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

दुसरी ओर बताया जा रहा है कि प्रधान और इस अधिकारी के बीच पुराना विवाद चल रहा है जिसके चलते दोनो के बीच तनाव था जिसके चलते ऐसा हुआ है मिली जानकारी के अनुसार प्रधान विनोद कुमारी ने भी पुलिस मे शिकायती पत्र दिया है और कारवाही की मांग की है जांच के बाद ही सच सामने आएगा कि ऐसी घटना क्यो हुई

अलवर जिला कलेक्टर ने अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण, दी सख्त चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो।

अलवर । जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज सुबह करीब 10 बजे अलवर जिला अस्पताल, महिला चिकित्सालय और शिशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पर्ची काउंटर, सीसीटीवी, स्वच्छता और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं में कई खामियां पाई गईं। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान को निर्देश दिए कि अगले 7 दिनों के भीतर इन सभी कमियों को दूर किया जाए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से अस्पताल परिसर में गंदगी और वाटर कूलर के आसपास की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को फटकार

लगाते हुए स्पष्ट किया कि गंदगी को रगड़-रगड़ कर साफ किया जाए। पर्ची काउंटर पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त काउंटर लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार न करना पड़े।

शिशु चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान बच्चों के लिए पर्याप्त बेड न होने की समस्या को प्राथमिकता पर समाधान करने को कहा गया। वहीं, अस्पताल में कार्यरत वार्ड बॉय और इलेक्ट्रीशियन द्वारा रील बनाने के चक्कर में मरीजों के साथ की जा रही लापरवाही को लेकर भी सख्त चेतावनी दी गई। डॉ. शुक्ला ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, गर्मियों को ध्यान में रखते हुए हिट स्ट्रोक वार्ड में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

राजनिति प्रतिशोध से नेशनल हेराल्ड मामले मे हो रही कारवाही पर एसडीएम कार्यालय पर कांग्रेस का धरना

किशनगढ बास :नेशनल हेराल्ड मामले में हो रही कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के किशनगढ बास विधायक के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय के सामने मोदी सरकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया वक्ताओं ने कहा मोदी सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करने, सोनिया गांधी, राहुल गांधी व अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की कार्रवाई पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध है। विपक्ष को डराने की साजिश है। इस दौरान कांग्रेस गिरीश डाटा, प्रधान बीपी सुमन,हल्लू संरपच,संदीप पाटिल सहित कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आयोजित

ब्यरो -एनपीटी

खैरथल-तिजारा, 21 अप्रैल। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद श्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना के साथ कार्य कर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करें।

केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने मुख्य विभागों कि योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को मिले। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही, उन्होंने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निदेर्शों की अनुपालना रिपोर्ट का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व में जारी सभी निदेर्शों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आगामी बैठकों में पूर्ण रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान अधूरी परियोजनाओं और लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क मरम्मत का कार्य नहीं करने वाले और कार्य अधूरा छोड़ने वाले ठेकेदारों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राजस्थान में जिले की 18 रैंक को सुधारने हेतु समयबद्ध कार्य योजना बनाकर कार्यों में

तेजी लाने के निर्देश दिए। सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंप एवं ट्यूबवेल की कार्यशीलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वे कर रिपोर्ट कार्यालय को प्रस्तुत करने और आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने समयसीमा में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कंटिंजेंसी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। पेयजल से जुड़ी कंट्रोल रूम में प्राप्त कुल 24 शिकायतों में से शेष 8 शिकायतों का आज ही निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने बजट घोषणाओं पर अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा कर तय समय सीमा में सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

केंद्रीय वन मंत्री ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने नगर निकायों द्वारा संचालित स्वच्छता अभियानों की प्रगति की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि नगरपरिषद परिषद खैरथल, तिजारा एवं किशनगढ़ बास में लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु डीएलबी स्तर पर किए गए टेंडर प्रक्रिया का सतत फॉलोअप कर कचरा निस्तारण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री यादव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया खैरथल-तिजारा जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए ₹टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान₹ को व्यापक स्तर पर संचालित करने और जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना₹ की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक किया जाए

बैठक में जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर, तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी, मुंडावर विधायक ललित यादव, खैरथल-तिजारा जिला कलक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी ज्यैष्ठा मैत्रेयी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडा अतुल प्रकाश,मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, तिजारा प्रधान जयप्रकाश यादव, कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता मे केंदीय मंत्री ने दिशा की बैठक मे दिए निदेर्शों को बताया पत्रकारों के सवाल खैरथल 93 नं. रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज, खैरथल जिले मे रोडवेज बसो की कनेक्वीटी,नई रेल चलाने,रेलों के स्टापेज पर कोई ठोस जबाब नही दिया केवल इतना कहा विकास के लिए प्रयास जारी है

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में पूर्व केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी के ज्योति पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी! प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में पूर्व केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी के चतुर्थ पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर उत्कृष्ट मीडिया के लिए *उज्जवल भविष्य के लिए नई शुरूआत* विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने दिवंगत राजयोगी पूर्व केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित। केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी, गीता दीदी ने तिलक, ??ईश्वरीय सौगात देकर सभी का अभिनंदन किया । योग शक्ति ब्रह्मा कुमारी गीता दीदी ने कहा कि वैसे तो यह जिंदगी बहुत खूबसूरत है परंतु इसे समझने की जरूरत है।

यदि इस जिंदगी को समझ कर जीया जाए तो इस संसार में रहते हुए भी कोई ऐसा व्यक्ति नहीं, कोई ऐसी परस्थिति नहीं जो हमें परेशान कर सके या निराशा उदास कर सके लेकिन हम लोग जिंदगी को समझे बिना ही जिंदगी जीना शुरू कर देते हैं और सारी जिंदगी में संघर्ष चलता रहता है। ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने उज्जवल भविष्य के लिए एक नई शुरूआत विषय पर कहा कि यदि मनुष्य चाहे तो अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकता है ,उज्जवल भविष्य बनाने के लिए उसे वर्तमान में अपने मन वचन और कर्म पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है पहरा देने की आवश्यकता है, कि कहीं भूल से भी मेरे मन से किसी भी व्यक्ति प्रकृति पशु पक्षी के लिए दुर्भावनाएं ना निकले मेरे मुख से किसी के लिए भी दुखदाई शब्द ना निकले ,और मेरे कोई भी कर्तव्य से किसी को दुख न पहुंचे क्योंकि हमारे मन वचन कर्म से जो कुछ भी निकल कर बाहर जाता है वही लौट कर हम

तक वापस आता है और हमारा भविष्य हम स्वयं जो देते हैं इस आधार पर बनता है इसलिए इंसान को ना भूतकाल की सोचना चाहिए ना भविष्य काल की वर्तमान में रहकर के अपने वर्तमान के एक-एक कदम पर एक-एक क्षण पर किए जा रहे विचार बोल और कर्म पर ध्यान दिया जाए तो अपना सुंदर भविष्य बनाया जा सकता है क्योंकि श्रीमद् भागवत गीता कहती है जैसा कर्म करेगा वैसा फल देगा भगवान यह है गीता का ज्ञान ।रामचरितमानस कहती है कर्म प्रधान विश्व रची राखा जो जस करही तस फल चाखा लक्ष्मण गीता में कहा गया है कोउ नहीं सुख-दुख कर दाता निज कृत कर्म भोग सब भ्राता, जब हमारे कर्म ही हमको सुख-दुख देते हैं तो फिर हम किसी इंसान पर क्यों दोषारोपण करें। क्यों ना हमे अपने कर्मों को सुधारा जाए। आगे उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की गलती नहीं है और यदि उसके प्रति हमने बिना सोचे समझे किसी गलत बात का प्रचार प्रसार किया तो इसका भी हमारे जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है ।इसलिए हमें बहुत सोच समझ कर ही कोई भी बातों का प्रचार करना चाहिए । कर्मों के आधार पर ही यह संसार चलता है। अपने ही किए हुए कर्मों से व्यक्ति महान या कंगाल भी बनता है। अपने कर्मों में परिवर्तन लाने से ही हम बुराई से मुक्त बनते है। कर्मो मे परिवर्तन लाने हेतु ज्ञान की और समझ की आश्वयकता है। जब हम मेडीटेशन करते हैं तो हमारी इंद्रियां संयमित होती है, हमारा आत्मविश्वास, आत्म जाग्रति और मनोबल बढ़ता है जिससे हमें अच्छे, बुरे की परख होती है ।उन्होंने बताया व्यक्ति जन्म से बुरा नहीं होता। जब वह इस संसार में आता है तो गलत संगत, नशा व्यसन, गलत खानपान, लोभ, लालच, क्रोध, तनाव या विपरीत परिस्थितियों उसे बुरा बनाती है। उन्होंने कहा कि जीवन की कुछ समस्या पिछले जन्मों के गलत कर्मों से आती है। व्यक्ति अपने कर्मों से कही भी भाग नहीं सकता। किए हुए कर्मों का फल खुद को ही भोगना पड़ता है। उन्होंने सभी को तीन मिनट मेडीटेशन भी कराया। साथ में अपने जीवन मे सकारात्मक सोचने की बात कही। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्या रूपी बादल आते हैं, उसे सहनशीलता से, सकारात्मक सोच कुछ गलतियों को महसूस कर पार करना हैं।

उजैफा को आठ घंटे की रिमांड पर लेकर आई पुलिस, तमंचा बरामद

मन्नामाजरा फायरिंग प्रकरण का आरोपी है उजैफा, आत्मसमर्पण कर गया था जेल

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। कोतवाली पुलिस मुजफ्फरनगर जिला कारागार में बंद मन्नामाजरा फायरिंग प्रकरण के आरोपी उजैफा को पूछताछ के लिए आठ घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर आई। इस दौरान पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 12 बोर का एक तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया है।

विगत एक अप्रैल को क्षेत्र के गांव मन्नामाजरा में कैराना के दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर खूनी संघर्ष हो गया था, जिसमें ग्राम मन्नामाजरा निवासी राकिब, ग्राम जहानपुरा निवासी रिजवान उर्फ चीमा व कैराना के मोहल्ला आलकलां निवासी परवेज उर्फ भाटी घायल हो गए थे। ताबड़तोड़ फायरिंग से गांव में दहशत फैल गई थी। मामले में पुलिस ने दोनों गुटों के 17 नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत संगीन धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया था। नामजद आरोपियों में से 12 आरोपी जेल जा चुके है, जिनमें से छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके कारागार भेजा था। जबकि छह अन्य आरोपी कोर्ट में आत्मसमर्पण करके न्यायिक अभिरक्षा में जेल चले गए थे। मामले में नामजद आरोपी उजैफा निवासी मोहल्ला भूरा चुंगी आलखुर्द कस्बा कैराना भी विगत आठ अप्रैल को कोर्ट में सरेंडर करके जेल चला गया था। सोमवार को मामले के विवेचक एसएसआई यशपाल सिंह सोम आरोपी उजैफा को न्यायालय की अनुमति के पश्चात पूछताछ के लिए आठ घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर आए। इस दौरान पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर गांव मन्नामाजरा के निकट स्थित ईंख के खेत से घटना में प्रयुक्त 12 बोर का एक तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया। विवेचक ने बताया कि शाम चार बजे रिमांड अवधि पूर्ण होने पर आरोपी को सक्षम न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करके न्यायिक अभिरक्षा में वापिस जिला कारागार भेज दिया गया।

आरोपितों पर गैंगेस्टर व रासुका लगाने की मांग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। सोमवार को भाकियू के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि जनपद फतेहपुर में पिछले दिनों तीन लोगों की हत्या कर दी गयी थी। उन्होंने आरोपितों पर गैंगेस्टर व एनएसए की कार्रवाई करने की मांग की।

बिडौली मुठभेड़ की एसटीएफ ने किया घटनास्थल का रिक्रिएशन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो चौसाना। बीते 20 जनवरी की रात्रि मे करीब 11 बजे कग्गा गैंग के अरशद को पकडने गई एसटीएफ टीम की बिडौली के ऊदपुर मे मुठभेड हो गई थी। बदमाशों ने एसटीएफ निरीक्षक सुनील को गोली मार दी थी। जिसमे निरीक्षक शहीद हो गये। जबकि जवाबी कार्यवाही मे अरशद व उसके व तीन साथी मारे गये थे। मुठभेड में दर्ज मुकदमें की जॉच क्राइम ब्रांच शामली को सौंपी गई थी। मुठभेड की न्यायिक जॉच भी जारी है। मुठभेड के चार महीने बीतने के बाद एसटीएफ वएसटीएफ एएसपी ब्रजेश सिंह के नेतृत्व में दो फोरेंसिंक टीमों सहित 25 सदस्य टीम चौसाना व घटनास्थल पर पहॅची और घटना कों टीम के साथ मिलकर रिक्रिएशन (रूपांतरण) किया गया। घटनास्थल के रास्ते को ब्लॉक कर शामली फोरेंसिक व एसटीएफ मेरठ फोरेंसिक टीम ने तथ्यों व मुठभेड मे शामिल कर्मचारियों व अधिकारियों की मदद से रिक्रिएशन को पूरा किया।इसके बाद टीमें चौसाना चौकी पहुॅचीं,जहॉ बदमाशों की कार कें इंजन,फ्रंट शीशे ,कार की सीटो व खिडकी पर लगी गोलियों का विश्लेषण किया।कार की पैमाईश की गई,इंजन की स्थिति व विशेषज्ञो की राय भी दर्ज की गई।

मुठभेड मे मारे गये थे चार बदमाश–चौसाना। 20 जनवरी की रात्रि मे अरशद व उसके साथी मंजीत ,मनवीर व सतीश के साथ एसटीएफ की मुठभेड हो गई थी। जिसमें बदमाशों की गोली ने एसटीएफ के निरीक्षक सुनील कुमार शहीद हो गये थे और जवाबी कार्यवाही मे सभी चारो बदमाश भी मारे गये थे। अरशद के साथी बदमाश हरियाणा के निवासी थें।

यमुना में डूबी किशोरी का सुराग नही, तलाश जारी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। एक दिन पूर्व यमुना नदी में डूबी किशोरी का दूसरे दिन भी कोई सुराग नही लगा है। किशोरी की तलाश में प्राइवेट गोताखोर मोटरबोट से यमुना में सर्च अभियान चलाए हुए है।

क्षेत्र के गांव नंगलाराई निवासी हाशिम उर्फ हुसम ने यमुना नदी के दूसरी ओर हरियाणा में कृषि भूमि ठेके पर लेकर प्लेज लगा रखी है। विगत रविवार दोपहर करीब तीन बजे हाशिम का पुत्र फारुख अपनी बहन सादमा(13), परवीन व मायला तथा भाई जावेद के साथ में प्लेज में काम करने के लिए यमुना नदी पार करके दूसरी ओर जा रहे थे। इसी दौरान पांचों भाई-बहन यमुना के गहरे पानी में समा गए थे। डूबते वक्त शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने यमुना में डूब रहे फारुख, परवीन, मायला व जावेद को सकुशल बाहर निकाल लिया था, जबकि सादमा का कोई सुराग नही लग पाया था। मामले की जानकारी होने पर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ यमुना नदी पर पहुंचकर किशोरी की तलाश की थी, लेकिन देर शाम तक भी यमुना में डूबी किशोरी का कोई सुराग नही लगा था। सोमवार को भी किशोरी की तलाश में प्राइवेट गोताखोरों ने मोटरबोट से यमुना में सर्च अभियान चलाया। शाम छह बजे तक गोताखोर यमुना नदी में अभियान चलाए हुए थे, लेकिन यमुना में समाई किशोरी का पता नही चल पाया। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने भी यमुना नदी पर पहुंचकर किशोरी के परिजनों से घटना की जानकारी हासिल की। उन्होंने किशोरी की तलाश में लगे गोताखोरों को सर्च अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए है।

सड़क हादसे में आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। एक दिन पूर्व गांव भूरा में सड़क हादसे में हुई महिला की मौत के मामले में पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। विगत रविवार को हरियाणा के पानीपत की शिवनगर कॉलोनी निवासी आरती अपनी छोटी बहन अन्नू व सहेली रिंकी के साथ पानीपत से स्कूटी पर सवार होकर गांव भूरा में अपने मुंहबोले भाई प्रवीण की पुत्री के जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। दोपहर करीब एक बजे कस्बे के कैराना-झिंझाना मार्ग पर गांव भूरा के सामने स्थित मंदिर तिराहे पर कैराना की ओर से जा रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी थी। हादसे में आरती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि स्कूटी चला रही रिंकी व बीच में बैठी अन्नू घायल हो गई थी। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रैक्टर-ट्राली को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने पंचायतनामे की प्रक्रिया पूर्ण करके मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। वहीं, मृतका के भाई राजू निवासी जनपद कासगंज उत्तर-प्रदेश ने आरोपी ट्रैक्टर-ट्राली चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

बच्चों के विवाद में महिलाओं के दो गुटों में मारपीट

कांधला। सोमवार को थाना क्षेत्र की कांधला देहात के मोहल्ला शिवाला रोड स्थित मोहल्ला मुस्तफाबाद निवासी महिला कौशर पत्नी जुल्फिकार व अननो पत्नी नीन्ना के बच्चों के बीच खेलते समय विवाद हो गया। बच्चों के मामूली विवाद को लेकर दोनों पक्षों की महिलाएं आमने-सामने आ गई दोनों और की महिलाओं को मोहल्ले वासियों ने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी और इस दौरान हुए संघर्ष के बीच दोनों पक्षो मे जमकर मारपीट हुई जिसमें कौशर पक्ष से कौशर व उसकी सास मसूदा घायल हो गई मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों सह कार्रवाई की चेतावनी देते हुए अलग हटाया।

ब्यूटी पार्लर पर गई युवती लापता, 5 के विरुद्ध अपहरण का अभियोग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कांधला। क्षेत्र के गांव हुरमजपुर निवासी कालूराम का परिवार नगर के मौहल्ला मिर्दगान में निवास करता है। कालूराम ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था कि उसकी 23 वर्षीय पुत्री घर के पास ही एक ब्यूटी पॉर्लर में काम सिखने के लिए जाती थी। 14 अप्रैल को वह घर से पॉर्लर के लिए गई थी, किन्तु शाम तक घर ना लौटने पर जब परिजनों ने पॉर्लर पर जाकर पता किया तो पॉर्लर संचालिका ने बताया कि उनकी पुत्री पॉर्लर पर नही आई थी। जिसके बाद उसने अपनी पुत्री की कॉफी खोजबीन की, जिसका पता ना चलने पर उसने थाने में अपनी पुत्री की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले में पीडित ने बताया कि उसकी पुत्री को मौहल्ले का ही हमजा पुत्र लियाकत अपने भाई तनवीर व साथी रिजवान पुत्र दिलशाद निवासी मिर्दगान व गांव आल्दी निवासी फिरोज पुत्र अली व फिरोज की पत्नी प्रवीण खातून की मदद से अपरहण कर ले गए है। पीडित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने महिला सहित पांचों लोगों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितीज कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस तलाश कर रही है। जल्द युवती को बरामद कर लिया जायेगा।

संक्षेप समाचार :

पालिका के सेवानिवृत्त कर्मचारी का निधन, शोक

कैराना। कैराना नगरपालिका परिषद में तैनात रहे कर्मचारी के आकस्मिक निधन पर पालिकाकर्मियों में शोक व्याप्त हो गया। इस दौरान पालिका प्रांगण में शोकसभा आयोजित करके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। नगरपालिका के सेवानिवृत्त कर्मचारी सईद अहमद उर्फ सीना का आकस्मिक निधन हो गया। सोमवार को उनके निधन की सूचना पर पालिकाकर्मियों में शोक छा गया। दोपहर करीब एक बजे पालिका प्रांगण में सेवानिवृत्त कर्मचारी के निधन पर शोकसभा आयोजित की गई। इस दौरान पालिकाकर्मियों ने दो मिनट का मौन धारण किया। उन्होंने शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत, कोहराम

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव डुन्डुखेडा निवासी रमेश ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि गत दिवस रविवार की रात्रि उसका चचेराभाई 27 वर्षीय विकास किसी कार्य से गांव से बाहर जा रहा था। जब वह गांव के बस अड्डे पर पहुंचा तो अज्ञात वाहन के चालक ने विकास को टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की टक्कर से विकास गंभीर रुप से घायल हो गया। गांव के बाहर हादसे की सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। परिजनों के द्वारा पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डॉक्टरों ने जांच के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक के ततेरे भाई रमेश ने अज्ञात चालक के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात चालक के विरुद्ध मामला पंजीकृत करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। युवक की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। सोमवार को शव पोस्टमार्टम से आने के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया है।

बस की टक्कर से हाईवे पर पिता पुत्र गंभीर घायल

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जसाला निवासी प्रवेश मुखिया सोमवार को अपने बेटे सोनू के साथ बाइक पर सवार होकर अपने गांव से किसी कार्य के लिए कस्बे में आ रहा था। जैसे ही बाइक सवार पिता पुत्र दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित किवाना मोड के समीप पहुंचे तो विपरीत दिशा की ओर से आ रही बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी, पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को नगर के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया, चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर अवस्था में प्रवेश मुखिया की मेरठ मेडिकल के लिए रेफर कर दिया है,जबकि प्रवेश मुखिया के पुत्र को उपचार के लिए एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि हादसे में पिता पुत्र घायल हुए हैं परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है तहरीर आने पर बस चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। पुलिस बस चालक की तलाश कर रही है।

ऑनलाइन डिलीवरी से चौपट हो रहा कारोबार

शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल व कनफैडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन घनश्यामदास गर्ग ने कहा है कि ऑनलाइन डिलीवरी से छोटे व्यापारियों का कारोबार चौपट हो रहा है, उन्होंने सरकार से मांग की कि विदेशी कंपनियों पर एफडीआई कानून जल्द व सख्ती से लागू किया जाए। घनश्यामदास गर्ग ने बताया कि उन्होंने केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को प्रार्थना पत्र भेजकर देश में अमेजन व फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी बहुराष्ट्रीय विदेशी कंपनियो द्वारा एफडीआई नियमों का उल्लंघन कर ऑनलाइन व्यापार करने पर सख्ती के साथ अंकुश लगाने की मांग की गयी है। उन्होंने कहा कि देश में बड़ी बहुराष्ट्रीय अमेजॉन व फ्लिपकार्ट जैसी अनेकों विदेशी कंपनियां हमारे देश के रिटेल व्यापारी से सस्ता और ऑनलाइन डिलीवर कर माल बेचकर हम छोटे व्यापारियों के सामने संकट पैदा कर रही है यदि शीघ्र ही इन विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर ऑनलाइन व्यापार करने पर अंकुश नहीं लगाया गया तो हमारे देश के छोटे व्यापारी के व्यापार चौपट हो जाएंगे यह कंपनियां हमारे देश के व्यापारियों से सस्ता माल बेचकर हमारे व्यापार चौपट कर रही है।

गढी अब्दुल्ला खां में पोषण पंचायत कार्यक्रम का आयोजन

सीडीओ ने तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व तीन बच्चों का अन्नप्राशन किया, निकाली गई पोषण रैली

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो शामली। राष्ट्रीय पोषण पखवाडा के मौके पर सोमवार को गढीपुख्ता के गढी अब्दुल्ला खां में पोषण पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीडीओ विनय कुमार तिवारी ने 3 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं 3 बच्चों का अन्नप्राशन कराया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को गढी अब्दुल्ला खां में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीओ विनय कुमार तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे देश का भविष्य होते हैं, इनके पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की उचित देखरेख की जानी चाहिए। यदि बच्चे स्वस्थ होंगे तो स्वस्थ भारत का निर्माण होगा। उन्होंने हीटवेव से बचाव हेतु तरल पदार्थों के सेवन एवं संतुलित आहार लेने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनवाडी कार्यकत्री का उद्देश्य होना चाहिए कि उनके केन्द्र का कोई भी बच्चा पोषण ट्रैकर से न छूटे। शत-प्रतिशत बच्चों का पंजीकरण कराना चाहिए। इस मौके पर बाल विकास अधिकारी बाबर खान ने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक रहेगा तो इससे स्वस्थ समाज की नींव पडेगी। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एंव आहार की महत्ता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में सीडीओ ने तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं 3 बच्चों का अन्नप्राशन किया। इस मौके पर पोषण रैली का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान इस्लाम, प्रधान प्रतिनिधि फरहान खान, मुख्य सेविका राजेश्वरी, तनसीफ चौधरी, देवेन्द्र कुमार सहित आंगनवाडी कार्यकत्रियां भी मौजूद रहे।

बाइक सवार ने महिला और बच्चे को मारी टक्कर, महिला गंभीर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो चौसाना। क्षेत्र के भडी गांव निवासी शबाना (30 वर्ष) अपने तीन वर्षीय बच्चे को लेकर चौसाना कस्बे में स्थित डॉक्टर रुस्तम के क्लिनिक पर इलाज के लिए आई थीं। इलाज के बाद वह अपने बच्चे को लेकर वापस गांव लौट रही थीं कि तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक बाइक सवार ने मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। अचानक आई बाइक ने शबाना और उसके मासूम बेटे को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में शबाना के सिर में गंभीर चोट आई जबकि बच्चा भी मामूली रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद बाइक सवार मौके पर बाइक छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। पुलिस ने घटनास्थल से बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला और उसके बच्चे को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शबाना का इलाज चल रहा है।

ज्योतिबाफुले व सावित्रीबाई फुले के जीवन पर फिल्म पर रोक हटाने की मांग

शामली। आम आदमी पार्टी ने महात्मा ज्योतिबाफुले व सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म पर सेंसर बोर्ड द्वारा लगाई गई रोक को हटाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार पार्टी के पदाधिकारियों ने सोमवार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में देते हुए बताया कि हाल ही में महात्मा ज्योतिबाफुले व सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिम पर सेंसर बोर्ड द्वारा रोक लगायी गयी है, यह रोक न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात है, बल्कि हमारे देश के महान समाज सुधारकों की विचारधारा को दबाने का भी प्रयास प्रतीत होती है। उन्होंने कहा महात्मा ज्योतिबाफुले व सावित्रीबाई फुले ने सदियों से चली आ रही सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया और शिक्षा, नारी सशक्तिकरण तथा समतामूलक समाज की स्थापना के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्हांने राष्ट्रपति से मांग की कि सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म पर लगायी गयी रोक को तुरंत हटाने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इतिहास के सही चित्रण को सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सोराम सिंह, चौ. ओमपाल सिंह कश्यप, राजेन्द्र प्रधान, बबलू कश्यप, मा. दिनेश जांगिड, संजीव श्योरान मौजूद थे।

भगवान श्री राम पर अभद टिप्पणी के आरोपी को भेजा जेल

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो थानाभवन। थानाभवन थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत ने शोशलमीडिया परे अभद्र टिप्पणी पोस्ट करने वाले आरोपी वांछित युवक पर कड़ी कार्रवाई कर तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार कर भेजा जेल। थानाभवन क्षेत्र के गांव मादलपुरे निवासी एक आरोपी युवक ने भगवान श्री राम परे अभद्रे टिप्पणी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस ने आरोपी युवक को किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक रामसेवक गौतम ने आरोपी युवक द्वारा सोशल मीडिया पर भगवान श्री राम परे अभद्रे पोस्टे टिप्पणीकरने वाले आरोपी युवक की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश थानाभवन थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत को दिये थे। सोमवार को थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत ने पुलिस टीम के साथ सोशल मीडिया पर भगवान श्री राम परे अभद्रे पोस्ट करने के आरोपी वांछित युवक शोएब पुत्र उमरदीन निवासी ग्राम मादलपुर थाना थानाभवन जनपद शामली को तत्काल प्रभाव से लगभग 72 घण्टो के अंदर तलाश कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर थाने पर कार्यवाही की जा रही है।

ईओ के आदेश पर नगर में चला पॉलिथीन चेकिंग अभियान

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो थानाभवन। नगर पंचायत थानाभवन ने सोमवार को कस्बे में पॉलिथीन,सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकरे चेकिंगे अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान दुकानदारों से करीब 700 ग्राम पॉलिथीन जब्त। नगर पंचायत थानाभवन ने सोमवार को कस्बे में पॉलिथीन,सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकरे चेकिंगे अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान दुकानदारों से करीब 700 ग्राम पॉलिथीन जब्त की गई। ईओ जितेन्द्र राणा के आदेश पर नगर पंचायत कर्मचारी कस्बे में पॉलिथीने चेकिंगे अभियान पर निकले। उन्होंने दुकानदारों व रेहड़ी वालों की चेकिंगे के दौरान करीब 700 ग्राम पॉलिथीन बरामद की और 7 हजार रुपए जुमार्ने के रूप में वसूल किए गए। ईओ जितेन्द्र राणा ने बताया कि इस अभियान के दौरान पॉलिथीन से होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। वहीं जिन लोगों से पॉलिथीन मिली उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। नगर पंचायत टीम में मनीष शर्मा, वसीक अहमद, शुभम कुमार, महफूज आदि मौजूद रहे।

श्रम विभाग के द्वारा कैंप लगाकर कराया गया पंजीकरण

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कांधला। नगर पालिका परिषद के सभागार में श्रम विभाग के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करते हुए एक दिवसीय कैंप लगाया गया कैंप में सैकड़ो लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीकरण कराया गया।

इस दौरान कैंप में श्रम विभाग के कर्मचारी एवं नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कैंप का शुभारंभ किया इस दौरान कई लोग मौजूद रहे। सोमवार को नगर पालिका परिषद के सभागार में सहायक श्रम आयोग अंचला पांडे के निर्देश पर श्रम विभाग के द्वारा एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कैंप का शुभारंभ श्रम विभाग सहायक कर्मचारी एवं नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। श्रम विभाग के कर्मचारी मुनव्वर जंग के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न हितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। एवं लाभार्थी श्रमिकों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए उनका पंजीकरण कराया गया। इस दौरान सभी श्रमिकों को गर्मी से बचने के लिए हीट वेव,लू प्रकोप से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी गई। इस दौरान गुलजार अंसारी, आरिफ खान, रजनीश कुमार, नदीम खान, फैसल खान, सहित आदि लोग कैंप में मौजूद रहे।

अनुमति लिए बगैर लगे होर्डिंग हटाये– जलालाबाद। सोमवार की देर शाम नगर पंचायत कर्मियो द्वारा अभियान चलाकर दिल्ली सहारनपुर हाईवे पर ले राजनीतिक दलो के शुभकामना संदेशो को हटा दिया गया। आदेश का हवाला दिया गया जिसमे 19 अप्रैल को जारी आदेश मे तमाम जिला अधिकारियो को निर्देशित किया गया है कि नगर पंचायतो पालिकाओ व निगमो से बिना अनुमति लिये कोई होर्डिग्स नही लगाये जायेंगे। एसे तमाम लगे होर्डिग्स को हटाकर प्रतिदिन शासन को अवगत कराना होगा।

आवश्यकता है
दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना बिडौली ऊन चौसाना बाबरी गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
91-9082190000,
91-9997173786

स्वास्थ्य मंत्री ने की सदर अस्पताल सह- एमजीएम अस्पताल का निरीक्षण

एनपीटी ब्यूरो

झारखण्ड सरकार के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री इरफान अंसारी रविवार को जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने देर शाम परसुडीह स्थित सदर अस्पताल और एमजीएम अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात मंत्री ने सदर अस्पताल में आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही एमजीएम की भी व्यवस्था ठीक करने का निर्देश दिया। उन्होंने एमजीएम अधीक्षक को डिमना स्थित कॉलेज परिसर में अस्पताल का नया भवन बनाने वाली एजेंसी एलएंडटी को काम देरी से पूरा करने के कारण शोकॉज जारी करने का निर्देश। सदर अस्पताल निरीक्षण के दौरान मंत्री ने आईसीयू बेड की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि अस्पताल के आईसीयू में बेड पूरी तरह भरे हैं, जबकि मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस पर सरकार जल्द निर्णय लेगी और आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाई जायेगी। निरीक्षण के दौरान एक महिला मरीज ने स्वास्थ्य मंत्री से इलाज को लेकर शिकायत की। मंत्री ने तुरंत सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल को निर्देश दिया कि सम्बन्धित मरीज का समुचित इलाज हो। मंत्री ने यह भी कहा कि सदर अस्पताल में सफाई व्यवस्था बेहतर है, डॉक्टरों की उपस्थिति संतोषजनक है और इलाज भी सही ढंग से किया जा रहा है। फिर भी जो कमियां मिली हैं, उन्हें दूर कर अस्पताल को और बेहतर बनाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने एमजीएम की साफ सफाई और अन्य व्यवस्था को अप टू मार्क करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि झारखण्ड से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले को 5 साल तक राज्य में अनिवार्य रुप से सेवा देनी होगी। वही झारखण्ड आने वाले एक्सपर्ट डॉक्टरों को दोगुना पैकेज देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश के दूसरे राज्यों में कार्यरत 300- 400 डॉक्टर उनके सम्पर्क में हैं, जो झारखण्ड आना चाहते हैं। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि विभाग को निर्देश दिया गया है कि जो डॉक्टर जहां का है, मसलन जमशेदपुर के डॉक्टर को जमशेदपुर में ही, रांची के डाक्टर को रांची में ही पोस्टिंग किया। दूसरे शहरों में नहीं भेजा जाए। क्योंकि ऐसा करने से वे मन से काम नहीं करते हैं और काम प्रभावित होता है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा बेहतर हो इसके लिए मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस और पीजी की सीटें बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उसके अनुसार आधारभूत संरचना तैयार किया जा रहा है।

हाई कोर्ट ने 300 अधिकारी-कर्मचारी से 19-19 लाख की वसूली पर लगाया स्टे, कर्मियों को मिली राहत

एनपीटी, झारखण्ड हाई कोर्ट ने झारखण्ड सचिवालय सहायक सेवा व निजी सहायक संवर्ग के प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी से राज्य सरकार 19.75 लाख रुपए की वसूली के फैसले पर रोक लगा दिया है। जस्टिस दीपक रौशन की अदालत ने सोमवार को सुनवाई के बाद वित्त विभाग द्वारा 28 मार्च 2025 को जारी आदेश पर स्टे लगा दिया। साथ ही राज्य सरकार को 26 जून 2025 तक शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से सचिवालय सहायक और निजी संवर्ग के कर्मियों को बड़ी राहत मिली है। अधिकाई भुगतान की वसूली संबंधी वित्त विभाग के फैसले से सचिवालय सहायक सेवा व निजी सहायक संवर्ग के लगभग 300 अधिकारी-कर्मचारी प्रभावित हो रहे थे। सचिवालय कर्मियों की ओर से चंद्रभूषण कुमार, प्रमोद कुमार, जागो चौधरी समेत कई अन्य अधिकारियों ने हाईकोर्ट में अलग अलग याचिकाक दाखिल की थी। यहां मालूम हो कि राज्य सरकार ने विकास आयुक्त अविनाश कुमार की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कमेटी की अनुशंसा के आलोक में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में वेतनमान में कमी और अत्यधिक राशि के हुए भुगतान की वसूली का फैसला किया था। इसके बाद वित्त विभाग ने 28 मार्च को वसूली से संबंधित संकल्प जारी कर दिया था। उच्चस्तरीय कमेटी ने इंट्री पे के आधार पर 1 जनवरी 2006 के बाद नियुक्त कर्मियों के वेतनमान के आधार पर 1 जनवरी 2006 के कर्मियों के वेतन निर्धारण को गलत करार दिया था। उच्चस्तरीय समिति ने 1 जनवरी 2006 से पूर्व नियुक्त सचिवालय सहायक व निजी सहायक संवर्ग के वेतन निर्धारण को अनियमित करार दिया था। साथ ही राज्य सरकार द्वारा निर्गत 2019 के संकल्प को निरस्त करते हुए पुनः वेतन निर्धारण एवं 2006 से भुगतान की गयी राशि की वसूली का निर्णय लिया था। इस फैसले से सचिवालय सहायक सेवा के अलावा हाईकोर्ट में कार्यरत कर्मी भी प्रभावित हो रहे थे। इस तरह वेतन में हुई थी बढोत्तरी 1 जनवरी 2006 से सचिवालय सहायक एवं निजी सहायकों का ग्रेड पे 4200 से बढ़ा कर 4600 कर दिया गया था। इसी के साथ साथ 1 जनवरी 2006 से 6500-1050 के वेतनमान को बढ़ा कर 7450-11500 कर दिया गया था। इसको लेकर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों में भारी आक्रोश था। अब इस फैसले से सचिवालय सेवा के अधिकारियों में आक्रोश बढ़ रहा है।

उपायुक्त आवास में की गई आईआरएस छिड़काव, प्रखण्ड पाकुड़ के ग्रामीण इलाकों भी छिड़काव की है जरूरत

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०) कालाजार उन्मूलन को लेकर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग गंभीर है। इससे सुनिश्चित कराने को लेकर हर जरूरी प्रयास किया जा रहा है। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी जगहों पर आईआरएस कीटनाशक छिड़काव अच्छे से कराया जा रहा है जो आरआईएस की स्क्वाड है, वह प्रत्येक घर में जाकर छिड़काव कर रही है, इसी क्रम में सोमवार को कालाजार की टीम उपायुक्त मनीष कुमार के आवास पहुंची और उपायुक्त के सभी कमरों में उक्त कीटनाशक दवा का छिड़काव किया।उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि इस बार केन्द्रीय टीम एवं स्वास्थ्य मंत्रालय एवं स्टेट नोडल के द्वारा पाकुड़ जिले में हो रहे है कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम की सराहना की है। इस बार का थीम है बाई बाई कालाजार जिसके तहत पूरी टीम पूरे शिद्दत के साथ काम कर रही है। रात्रि चौपाल एवं जागरूकता रथ के माध्यम से भी प्रचार प्रसार कर लोगों को कालाजार के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि इस बार पीकेडीएल की केस में कुछ इजाफा होने की संभावना है। अगले साल 2026 तक कालाजार को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। उपायुक्त मनीष ने समस्त जिलेवासियों से अपील किया कि छिड़काव के लिए जब कोई दल आपके पास आए तो उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए अपने घरों के भीतर जैसे- सोने का कमरा, रसोई, बैठक, पूजा घर, गौशाला इत्यादि की पूरी दीवारों पर इसका छिडकाव अवश्य करवाएं एवं आसपास के लोगों को भी इसका छिड़काव कराने के लिए प्रेरित करें। 15 या 15 से अधिक दिनों से बुखार होने पर छिड़काव दल को अवश्य बताएं ताकि छूपे हुए कालाजार संभावित रोगियों की पहचान कर उचित इलाज समय रहते किया जा सके।

आयुष जांच शिविर में 163 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड के धनिगोड़ा एवं पाकुड़िया प्रखण्ड के फुलझिंझरी, पाकुड़ प्रखण्ड के इशाकपुर एवं हिरणपुर प्रखण्ड के दराजमठ में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 163 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मो० अफरोज आलम, डॉ० वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, डॉ० मो अबूतालिब शेख एवं डॉ० लावकुश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

24 अप्रैल 2025 को होगी हज यात्री का टीकाकरण

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ जिला से जाने वाले हज यात्रिओ का टीकाकरण आगामी 24 अप्रैल 2025 को जिला मुख्यालय के हरिणडांगा मंसूरी टोला स्थित मदरसा गौशिया आश्रफिया दारुल उलूम में सुबह 11 बजे से सदर अस्पताल के डॉक्टर की निगरानी में हज यात्रिओ को टिका दिया जायेगा। इसकी जानकारी जिला हज संयोजक आशिफ आलम ने दी। आलम ने कहा की 24 अप्रैल 2025 को टीकाकरण के साथ हज यात्रिओ को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा आलम ने कहा कि गत 15 अप्रैल 2025 को प्रशिक्षण शिविर में किसी कारण वाश प्रशिक्षक नहीं आ सके थे, हज यात्रिओ को प्रशिक्षण रांची हज कमिटी के प्रशिक्षक हाजी युसूफ आलम और अबुल खैर के द्वारा दिया जायेगा। बता दे कि इस साल जिला से 10 हज यात्रिओ का सफ? हज पर जाना तय है, जिसमे 8 पुरुष और 2 महिला शामिल है।

भाजपा के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष 24 अप्रैल को आयेंगे पाकुड़

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पाकुड़ में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांगठनिक समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने बताया कि संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर जिले भर में 13 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 24 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इस संगोष्ठी में झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष सह- भाजपा के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के अन्तर्गत जिले भर में कार्यकर्ता गांव- गांव जाकर संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे, उन्हें पत्र बाटेंगे और संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों के लिए कार्यकताओं की टोली बनाई गई है। सभी मंडलों में बैठक के साथ-साथ इस कार्यक्रमों के रूपरेखा पर चर्चा की जायेगी। इस कार्यक्रम की जिला टोली के संयोजक अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास, सहसंयोजक शर्मिला रजक एवं अजा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत रविदास शामिल है। इस बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साह, हिरणपुर मंडल अध्यक्ष सुकुमार मंडल, किरण मंडल, सपन कुमार दुबे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए

सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ गोड्डा सांसद के बयान पर महागामा में कांग्रेसियों ने किया विरोध- प्रदर्शन

एनपीटी ब्यूरो

महागामा(गोड्डा) : सुप्रीम कोर्ट को लेकर दिये गये कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर गोड्डा सांसद के खिलाफ महागामा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान महागामा प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सद्भावना स्थल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष आयोजित धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस प्रखंड प्रभारी सह जिला परिषद प्रतिनिधि याहया सिद्दीकी ने किया। धरना से पूर्व सभी कांग्रेस कार्यकताओं ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और ?रघुपति राघव राजा राम? जैसे भक्ति गीतों का सामूहिक गायन कर गांधीवादी मूल्यों की याद दिलायी। याहया सिद्दीकी ने कहा कि सांसद का बयान न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। लोकतंत्र की आत्मा सुप्रीम कोर्ट है और इस पर कोई भी आपत्तिजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस नेता निलेश सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसी भाषा और व्यवहार की कोई जगह नहीं है। एनएसयूआइ जिला अध्यक्ष मुन्ना राजा ने कहा कि छात्र और युवा वर्ग सांसद के बयान से आहत है। यह न केवल अदालत का अपमान है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। धरना में कांग्रेस कार्यकर्ता मुरारी मल्लिक, विष्णु यादव, संजय सिंह एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस ने मवेशी तस्कर करते वाहन समेत चालक को किया गिरफ्तार

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), पुलिस की बड़ी कारवाई, मवेशी तस्करी करते वाहन समेत चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दरअसल बीते सोमवार सुबह गुप्त सूचना के आधार पर कालिदासपुर से विक्रमपुर आनेवाली रोड में विक्रमपुर के पास पिकअप गाड़ी रजि०नं० जेएच16एच 3318 में लोड 12 गाय को बरामद कर जप्त किया गया है तथा उक्त पिकअप वाहन के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वृतांत को ले धारा 325 भारतीय न्याय संहिता एवं 11(घ)/ 11(च)/ 11(ठ) पशु क्रुरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत पाकुड़ (मु०) थाना काण्ड संख्या 102/ 2025 के प्राथमिकी अभियुक्त पिकअप वाहन के चालक, मालिक एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी के द्वारा साझा की गई के मुताबिक इस काण्ड में बरामद सभी गायों को क्रुरतापूर्वक बांध कर परिवहन किया जा रहा था, जिससे उक्त में से 01 गाय की मृत्यु हो गयी है, जिसका पशु शल्य चिकित्सा पदाधिकारी से पोस्टमार्टम कराया गया है। काण्ड में संलिप्त अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है।

सड़क सुरक्षा को ले जागरूकता के ध्यानार्थ की गई कार्यशाला कार्यक्रम

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त, पाकुड़ के आदेशानुसार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर के निदेर्शानुसार एवं जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक पाकुड़ के नेतृत्व मे जिला पाकुड़ में हो रही सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर की बढ़ोतरी को देखते हुए जिला सड़क सुरक्षा कोषांग के कर्मियों के द्वारा जिला के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान पाकुड़ रानी ज्योतिर्मय हाई स्कूल के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने को लेकर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करने, सड़क पर वाहन चलाने के सहित नियम एवं तरीके, हेलमेट का उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, तेज गति से वहान न चलाने, ड्राइविंग लाइसेंस का उपयोग, ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया, हिट एंड रन से मिलने वाले मुआवजा से जुड़े जानकारी समेत गुड़ सेमीरिटर्न (नेक नागरिक) के दायित्व अन्य के बारे में विस्तार से बताया गया। जिसमें परिवहन विभाग के कर्मियों के द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024 मे जिला पाकुड़ मे करीब 80 सड़क दुर्घटना हुई है तथा 79 लोगो की मृत्यु एवं 25 लोग गंभीर रुप के घायल हुए है तथा वर्ष 2025 के माह जनवरी- 2025 से मार्च -2025 तक पाकुड़ जिला अन्तर्गत करीब 24 सडक दुर्घटनाएं हुई है। जिसमें लगभग 26 लोगों की मृत्यु इस सड़क दुर्घटना में हुई है। साथ ही 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए है, जो कि पिछले साल के माह जनवरी से मार्च की तुलना में मृत्यु दर में करीब 4 लोगों का इजाफा हुआ है, जो कि कुल सड़क दुर्घटनाओं मे लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थियों के द्वारा सड़क परिवहन के सभी नियमों का पालन करने को लेकर प्रतिज्ञा ली गई और आगे भविष्य में परिवहन के सभी नियमों का पालन करने तथा दूसरों को भी नियमों का पालन कराने को लेकर भी स्कूल के विद्यार्थी एवं शिक्षकों के द्वारा संकल्प लिया ।

मंत्री हफीजुल हसन के बयान से जमशेदपुर में भाजपा का आक्रोश मार्च

जमशेदपुर ।: झारखंड सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजूल हसन द्वारा दिए गए बयान को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। मंत्री के विवादित बयान के विरोध में भाजपा लगातार हमलावर है। इसी क्रम में पार्टी ने सोमवार को जमशेदपुर में आक्रोश मार्च निकालकर विरोध जताया, जिसमें सांसद और विधायक भी शामिल हुए। वक्फ बोर्ड को लेकर लाए गए नए कानून के बीच देशभर में बयानबाजी और विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। झारखंड में भी इसका असर साफ नजर आ रहा है। दरअसल, झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन ने अपने बयान में कहा था कि हमारे दिलों में शरीयत है और हाथ में संविधान। इस बयान को लेकर भाजपा लगातार मंत्री पर निशाना साध रही है। इसी सिलसिले में सोमवार को जमशेदपुर में भाजपा द्वारा आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो और जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि मंत्री हफीजुल हसन का बयान उनकी कुंठित मानसिकता को दशार्ता है। एक संवैधानिक देश में इस तरह का बयान शर्मनाक है।

संकुल स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्यों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

ठाकुरगंगटी (गोड्डा) : प्रखण्ड अंतर्गत मानिकपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड कार्यालय भगैया में संकुल स्तरीय ऑफिस बेरियर एवं कार्यकारणी समिति सदस्यों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जेएसएलपीएस एवं प्रदान संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को सामूहिक रूप से आजीविका अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों की आय में वृद्धि, विभिन्न आजीविका गतिविधियों हेतु तकनीकी प्रशिक्षण, कृषि कार्यों के लिए गुणवत्ता युक्त इनपुट की उपलब्धता तथा किसानों को बेहतर बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराना है। बताया गया कि इस पहल से जुड़ कर किसान न केवल अपनी आय में सुधार कर सकते हैं बल्कि नवीनतम कृषि तकनीकों एवं संसाधनों का लाभ उठाकर एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर कृषक समुदाय की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम में जेएसएलपीएस के एफटीसी शमीम अख्तर, सीसी दिवाकर मंडल एवं प्रदान संस्था के आशुतोष कुमार, राजेश कुमार यादव, संकुल स्तरीय कैडर पुष्पा कुमारी पंडित, कंचन कुमारी, काजल कुमारी, फैयाज अहमद, रामचन्द्र ठाकुर, संजीता देवी, संकुल की अध्यक्ष विनीता देवी, उपाध्यक्ष अंजनी देवी के अलावा संकुल के सभी ग्राम संगठन के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष उपस्थित थे।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने सीएनजी पंप के साथ सेंट थॉमस स्कूल होने का मुद्दा जिलाधिकारी तक पहुंचाया

सेंट थॉमस स्कूल और सीएनजी पंप को अलग अलग स्थानों पर किया जाए स्थानांतरित - जीपीए

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एडीएम फाइनेंस सौरभ भट्ट को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें लोनी के टीला शाहबाजपुर में स्थित सेंट थॉमस स्कूल और सीएनजी स्टेशन एक साथ होने से विद्यालय में पढ़ रहे हजारों बच्चों की सुरक्षा को बड़ा खतरा होने की बात कह मांग की गई कि स्कूल और सीएनजी पंप को अलग अलग स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए और बच्चो की सुरक्षा के उचित उपाय सुनिश्चित किए जाए जीपीए के पदाधिकारी सीमा त्यागी और अनिल सिंह का कहना है कि स्कूल और सीएनजी स्टेशन की निकटता बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है और इसे तुरंत अलग किया जाना चाहिए

विद्यालय में पढ़ रहे नौनिहालों की सुरक्षा और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सीएनजी स्टेशन और स्कूल अलग-अलग होने चाहिए क्योंकिः

1. सुरक्षा की दृष्टि सेः सीएनजी स्टेशन में गैस के रिसाव और विस्फोट का खतरा हो सकता है, जो बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है।

2. वायु प्रदूषणः सीएनजी स्टेशन से निकलने वाले धुएं और गैस से वायु प्रदूषण हो सकता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

3. यातायात की दृष्टि सेः सीएनजी स्टेशन पर वाहनों की आवाजाही अधिक होती है, जिससे स्कूल के आसपास यातायात का दबाव बढ़ सकता है और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

4. शोर और प्रदूषणः सीएनजी स्टेशन से निकलने वाले शोर और प्रदूषण से स्कूल के बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इसलिए यह आवश्यक है कि सीएनजी स्टेशन और स्कूल अलग-अलग स्थानों पर स्थित हों ताकि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके।जिलाधिकारी की अनुस्थिति में एडीएम फाइनेंस सौरभ भट्ट ने ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए आश्वासन दिया है कि इस मामले में जल्द ही ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर अनिल सिंह, राजू सैफी , नरेश कुमार , विकास मावी , धर्मेंद्र यादव , मीनू , रजनी , आदि मौजूद रहे ।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा से मिले नामोली के किसान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। नामोली ग्राम की 350 एकड़ जमीन करीब 1800 बीघा कोतवाल पुर लोनी के किसानों ने 1945 में खरीदी थी। इस जमीन का करीब 35 साल तक मुकद्दमा लड़ा। अब करीब 250 किसान मुकद्दमा जीत गए। ग्रेटर नोएडा ऑथोरिटी ने भूमाफियाओं के अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया। अब भूमाफिया रात में आकर दोबारा जमीन पर कब्जा करने की फिराक में है। संदिग्ध व्यक्तियों ओर बिना नंबर की गाड़ियों का आवागमन बढ़ गया है। जिससे भूमि के मूल मालिक भयभीत है।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान को शिकायती पत्र देने पहुंचे। भूमाफियाओं मे नवीन कुमार भाटी, दिनेश शर्मा, अपूर्व चतुवेर्दी, कानन संकरण, कृष्ण कुमार, रोहन, ऋषि रानी अरोड़ा, रानी अरोड़ा, राकेश जैन आदि है। डीसीपी साहब ने उपस्थित किसानों में शामिल महिलाओं पुरुषों को भूमाफियाओं पर कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस दौरान धर्मपाल, सतीश,आशीष कसाना, सुभाष, ज्ञान, बिरनी, धर्म, शेखर, चावल, धर्मेंद्र, चंद्रपाल आदि किसान मौजूद रहे।

अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा का रिजल्ट घोषित अनन्या सैनी ने किया गाजियाबाद का नाम रोशन

एम.पी.एस स्कूल की छात्रा अनन्या सैनी रही प्रथम

नेशनल प्रेस टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिकों के बच्चे, कोविड काल में निराश्रित हुये बच्चे तथा अन्य पात्र बच्चों को सामाजिक न्याय की अवधारणा के दृष्टिगत मण्डल स्तर पर खोले गए अटल आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए एंट्रेंस एग्जाम लिया गया। जिसमें मेरठ मण्डल के कुल 288 छात्र छात्राएं पास हुए। जिसमे एम.पी.एस स्कूल संजय नगर से.23 की छात्रा अनन्या सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं। एम.पी.एस स्कूल के प्रबंधक राजीव त्यागी व प्रधानाचार्या शिल्पा त्यागी ने अनन्या की इस उपलब्धि पर उज्ज्वल भविष्य की कामना कर बधाई व शुभकामनाएं दी।

एस डी जी आई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में विधि के छात्र/छात्राओं के लिए मूट कोर्ट का सफल आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स संवाददाता

गाज़ियाबाद स्थित दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई यूनिवर्सिटी एस डी जी आई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ के तत्वाधान में एक दिवसीय मूट कोर्ट अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें विधि के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया और अपने कानूनी ज्ञान एवं तर्क-वितर्क क्षमता का परिचय दिया।

इस अभ्यास का उद्देश्य छात्र/छात्राओं को न्यायिक प्रक्रिया की व्यवहारिक समझ प्रदान करना और उनके वाद-विवाद कौशल को निखारना था। छात्र/छात्राओं ने न्यायालयीन प्रक्रिया का सजीव अनुकरण करते हुए विभिन्न काल्पनिक गागलों पर अपने पक्ष को गजबूती से प्रस्तुत किया।

अभ्यास कार्यक्रम का उद्घाटन एस डी जी आई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ प्रसन्नजीत कुमार के कर-कमलों द्वारा किया गया। उन्होंने

छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ₹मूट कोर्ट अभ्यास की युवा विधि छात्र/छात्राओं को भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका हैं।₹ अभ्यास के निर्णायक मंडल में निर्देशक डॉ. हेमंत कुमार शर्मा, विधि विभागाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव सम्मिलित थे, जिन्होंने निष्पक्षता और गहराई से छात्र/छात्राओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ₹ऐसी शैक्षणिक गतिविधियाँ छात्र/छात्राओं में आत्मविश्वास और पेशेवर दक्षता को बढ़ावा देती हैं।₹

यह प्रतियोगिता छात्र/छात्राओं के लिए एक शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक अनुभव साबित हुई। इस अवसर पर सुन्दर दीप ग्रुप के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने इस अभ्यास के आयोजन को सराहनीय बताया।

मेरठ मैनेजमेंट एसोसिएशन की प्रतियोगिता एमआईटी ने जीती

मेरठ। मेरठ मैनेजमेंट एसोसिएशन व दयाल फर्टिलाइजर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वार्षिक वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का विषय था – कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उत्थान रोजगार के अवसर अधिक उत्पन्न करेगा या समाप्त करेगा₹, जिस पर प्रतिभागियों ने गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। दस से अधिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एमआईटी के बी.बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ अद्विता शर्मा और अनुष्का मोहा ने शिक्षिका साक्षी आहलूवालिया के मार्गदर्शन में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में पहला स्थान अर्जित किया। इस सफलता पर चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा, विभागाध्यक्ष हिमानी मिश्रा व समस्त शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई दी।

सिर्फ चुनाव पर रोक लगी है, अध्यक्ष अभी कोई तय नहीं : विरेंद्र बाबू वर्मा

*विरेंद्र बाबू वर्मा ने कहा कि पप्पू नागर तो संस्था के सदस्य भी नहीं तो अध्यक्ष कैसे बने

नेशनल प्रेस टाइम्स संवाददाता

संजय नगर की रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विरेंद्र बाबू वर्मा ने कहा है कि डिप्टी रजिस्ट्रार ने अभी कमेटी के चुनाव पर रोक लगाई है। क्योंकि कमेटी ने कुल 17 सदस्यों में से संजीव चौधरी पक्ष के केवल 4 सदस्यों ने पिछले आदेश पर आपत्ति दर्ज की है। इसलिए आपत्ति की सुनवाई तक यथास्थिति रहेगी तथा कमेटी के 13 सदस्य अभी भी हमारे पक्ष में है।

न्याय नहीं मिला तो करेंगे डीसीपी कार्यालय का घेराव, ग्रामीणों ने दी चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम्स ,ब्यूरो।

मोदीनगर निवाड़ी थाना क्षेत्रे गांव नंगला आक्खू में झंडे के अपमान का मामला शांत नहीं हो रहा है रविवार को ग्रामीणों ने गांव में पंचायत की। पंचायत में ग्रामीणों ने पुलिस पर पक्षपात की बात कही।

पंचायत में शामिल हुए लोगो ने निवाड़ी थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है। पंचायत में ग्रामीणों के अलावा हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। हिंदू युवा

वाहिनी के नेता निशांत त्यागी ने बताया कि ग्रामीणों ने गांव के मुख्य द्वार पर भगवा झंडा कुछ दिनों पहले से ही लगा रखा था। गांव के कुछ अन्य लोगों ने भगवा झंडा उतारकर फेंक दिया और नीले रंग का झंडा लगा दिया।मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने भगवा झंडा उतरने का विरोध किया तो दोनों पक्षों में मारपीट जैसी स्तिथि हो गयी इसमें उज्जवल अभिषेक , गौरव अमन और कुछ अन्य को चोटें भी आईं। निवाड़ी पुलिस की एकतरफा कार्रवाई से ग्रामीणों में रोष है

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पक्षपात करते हुए घायलों के खिलाफ ही कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दी है । उन्होंने चेतावनी दी है कि न्याय नहीं मिला तो डीसीपी ग्रामीण कार्यालय का घेराव करेंगे। साथ ही, गांव से सामूहिक पलायन की भी बात कही है

मौके पर मेजर, कपिल कन्नू त्यागी, तुषार, रवि त्यागी सुशील खलीफा , शौकी कश्यप हिमांशु, अंकित, नरेश,परमेन्द्र समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

अरब से गधे पर लादकर नहीं लाए थे वक्फ की जमीन, हिंदुओं को लौटाएं

नेशनल प्रेस टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। विधायक नंद किशोर गुर्जर बागपत के डगरपुर गांव में गुर्जर समाज की बैठक में शामिल होने के लिए आए थे। यहां यह भी फैसला लिया गया कि घुड़चढ़ी के दौरान महिलाएं सड़क पर डांस नहीं करेंगी, न ही सड़क पर डीजे बजेगा।

लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि वक्फ की जमीन मुस्लिमों की नहीं, बल्कि हिंदुओं की है। क्योंकि वह अरब से गधे पर लादकर इस जमीन को नहीं लाए थे। दिल्ली में वक्फ की अधिकतर जमीन गुर्जरों और कुछ जमीन जाटों की है, जिसे हिंदुओं को वापस दिया जाए।

विधायक नंद किशोर गुर्जर सोमवार को बागपत के डगरपुर गांव में गुर्जर समाज की बैठक में भाग लेने आए थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है। ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। उन्हें हटाकर वहां राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में 40 लाख से ज्यादा रोहिंग्या तथा बांग्लादेशी रह रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हुई हिंसा पर संज्ञान लेकर फोर्स भेजी है।

उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा धार्मिक आधार पर हुआ था। तब मुस्लिमों ने कहा था कि हम यहां की मान्यता के अनुसार रहेंगे, लेकिन आज वह मालिक बनकर रहना चाहते हैं। वक्फ की जमीन को लेकर कहा कि यह जमीन हिंदुओं तथा उन गरीब मुस्लिमों की है, जिनका धर्म परिवर्तन कराया गया था। इसलिए वक्फ की जमीन इन्हें वापस लौटाई जाए। भारत में जमीन का एक भी टुकड़ा वक्फ का नहीं है।

उन्होंने दिल्ली के उप राज्यपाल को पत्र लिखा है कि दिल्ली में वक्फ की जमीन हिंदुओं को वापस कराई जाए। सनातन धर्म को मानने वाले समझ रहे हैं कि देश में जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां हिंदुओं के साथ इंसाफ हो रहा है। भाजपा सरकारों में कहीं भी हिंदू-मुस्लिम झगड़े नहीं होते, बल्कि विकास हो रहा है।

घुड़चढ़ी के दौरान महिलाएं डांस नहीं करेंगी-डगरपुर गांव में लोगों ने मध्यप्रदेश में गुर्जर समाज की पंचायत में हुए फैसले का समर्थन किया कि घुड़चढ़ी के दौरान महिलाएं डांस नहीं करेंगी और रोड पर डीजे नहीं बजेगा। उसको अन्य जगह भी लागू करने की बात कही गई। इस दौरान पूर्व प्रधान श्रीनिवास, जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल, चौ. किरणपाल सिंह, चौधरी महराज सिंह और भरत सिंह आदि मौजूद रहे।

ड्राइव इन 24 में मनाई पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह की प्रथम पुण्यतिथि

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद से पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह का एक वर्ष पूर्व लोकसभा चुनाव के बाद बीमारी के चलते देहांत हो गया था।

आज होटल ड्राइव इन 24 में उनकी भाजपा कार्यकताओं व पदाधिकारियों द्वारा श्रद्धांजलि देते हुए उनकी प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई दौरान वक्ताओं ने अपने अपने वक्तव्य पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के प्रति जनता और कार्यकताओं की लोकप्रियता को उजागर किया सभी की आंखें नम थी सभी का यही कहना था कि सांसद जी की कमी सदैव हम लोगों को महसूस होती रहेगी वह एक ऐसे व्यक्ति थे कि चाहें अमीर हो या गरीब कार्यकर्ता हो या जनता का व्यक्ति आधी रात सभी के

लिए उनके दरवाजे खुले रहते थे उसका हर संभव व्यक्ति का काम कराने का प्रयास करते थे

आपको बताते चलें कि मुरादाबाद के कुंवर सर्वेश सिंह को भाजपा का कद्दावर नेता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी माना जाता रहा था वह 5 बार विधायक रहे और 2014 में पहली बार मुरादाबाद लोकसभा का चुनाव लडा. और भारी मतों से जीत दर्ज की।

श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित उनके पुत्र कुंवर सुशांत सिंह ने भी नम आंखों से पिता को याद करते हुए कहा कि आज मैं जो कुछ भी अपने पिता की देन हूं मैंने विधायक बनने की सोची भी नहीं थी परंतु मेरे पिता के प्रयास मेहनत और पिता के प्रति क्षेत्र की जनता की लोकप्रियता के कारण आज मैं विधायक हूं

श्रद्धांजलि समारोह में विधायक सुशांत सिंह, कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह,बिजनौर से पूर्व सांसद शीशराम रवि , महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला,पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, सुरेन्द्र शर्मा एडवोकेट, महानगर मंत्री सुनीता शर्मा, देवेन्द्र सिंह उर्फ बब्बू, महानगर उपाध्यक्ष विशाल त्यागी, पार्षद सुरेन्द्र विशनोई रालोद जिलाध्यक्ष मनोज चौधरी, शिव सेना जिला प्रमुख विरेन्द्र अरोरा, हेमा खत्री, उर्वशी शुक्ला, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी व अन्य पार्टी, संगठनों के लोग भी मौजूद रहे

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान वक्तव्य देते पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।